PART-I

READ And RISE

Aryika 105 Vinatamti Mataji

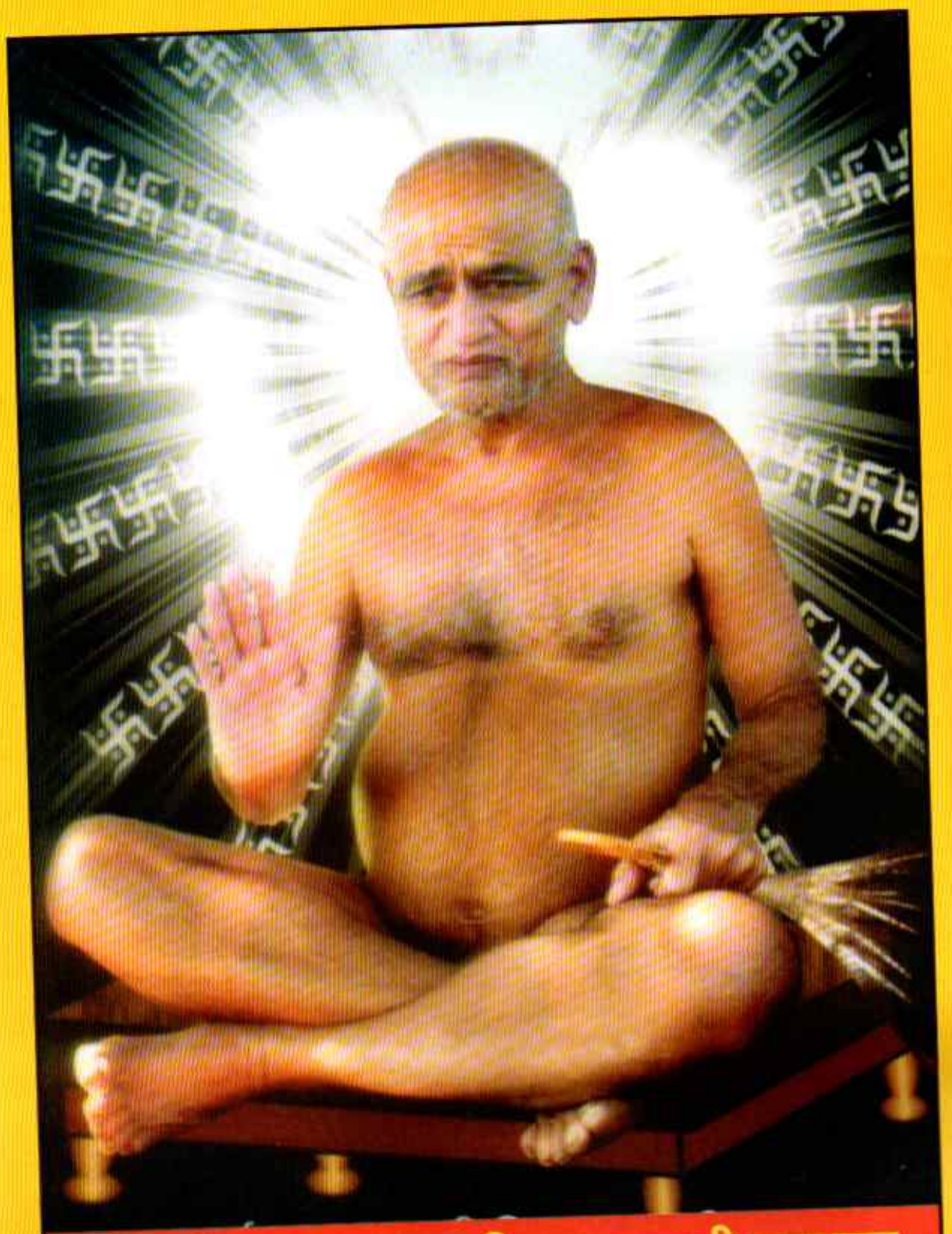

आचार्य प्रवर प.पू.108 विद्यासागर जी महाराज

Read And Rise

(Part -I)

Dedicated into Lotus - hands of param poojya teertha - Pravartaka, chief preceptor diagambara Aachaarya 108 -

Shree Vidyasagarji Maharaj.

Aryika Vinatmati Mataji

Read And Rise (Part-I)

कृति - Read And Rise (Part-I)

आशीर्वाद - प.पू. संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर 108
श्री विद्यासागर जी महामुनि महाराज

सान्निध्य - प.पू. आर्यिकारत्न 105 श्री प्रशान्तमति माताजी ससंघ

कृतिकर्त्री - आर्यिका श्री विनतमति माताजी

संस्करण - प्रथम, 2013

कम्पोजिंग - कु. रुचि जैन, कुम्भराज (गुना), मोबा. 9407246933

प्राप्ति स्थान - बा.ब्र. मैना दीदी, उदासीन आश्रम
तुकोगंज, इन्दौर (म.प्र.), मोबा. 9981784524
कु. मोना जैन, अभाना, जिला दमोह (म.प्र.)
मोबा. 9981001130, 9406728117
कु. समता जैन, इंदौर (म.प्र.)
मै. रजनी ट्रेडर्स, राघवेन्द्र नगर के सामने, ए.बी. रोड,
शिवपुरी (म.प्र.), मोबा. 9993838765, 9329793556
ब्र. मैना दीदी, शिवपुरी

आर्थिक सहयोग - श्रीमती शशि जैन पत्नी श्री रवीन्द्र कुमार जैन
राघवेन्द्र नगर के सामने, ए.बी. रोड, शिवपुरी (म.प्र.)
मोबा. 9754255374

मूल्य (Price) - चार्नीस रुपये (Fourteen Rupees)

DeVanagar Script of Roman Transliteration for Reading

अ = a आ = aa इ = i ई = ee उ = u ऊ = oo ऋ = Ri
ए = Ea ऐ = Ai ओ = Oa औ = Au अं = An, Am अः = Ah
क = Ka ख = Kha ग = Ga घ = Gha ङ = Na
च = Cha छ = Chha ज = Ja झ = Jha ञ = Na
ट = Ta ठ = Ttha ड = Dda ढ = Ddha ण = Nna
त = Ta थ = Tha द = Da ध = Dha न = Na
प = Pa फ = Pha ब = Ba भ = Bha म = Ma
य = Ya र = Ra ल = La व = Va, Wa
ष = Sha श = Sha स = Sa ह = Ha क्ष = Ksha त्र = Tra ज्ञ = Jna

दो शब्द

संसार का प्रत्येक प्राणी अपना जीवन उन्नत व विकसित करने में अथक प्रयासरत है लेकिन अपने-अपने अशुभ कर्मों से प्रवाहित जीवन को जैसा है, वैसा ही व्यतीत कर आयु कर्म का काल पूर्ण कर देता है क्योंकि उसे प्रभुवाणी का स्वरूप ज्ञात नहीं है, जिससे उसका जीवन धर्म संस्कारों से वंचित हो, विषय वासनाओं में उलझ जाता है। यह प्रयास देव -शास्त्र गुरु के दर्शन करने व ज्ञानाचरण करने पर ही निर्भर है। प्रायः बहुजन हिन्दी भाषा से अनविज्ञ होने के कारण अपना अमूल्य जीवन सार्थक बनाने में सफल नहीं हो पाते। इसी प्रसंग को पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद से तथा पूज्य बड़ी माताजी (श्री प्रशान्तमति माताजी) की सद्भावना से अन्तस्पटल पर अंकुरित कर इस लघु कृति को सृजित करने का साहस सभी आबाल-वृद्ध के उन्नत, सुन्दर, विकासशील बनाने में प्रकाश-स्तम्भ बने। इसी आशा के साथ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं यह लघु कृति - Read And Rise (Part-I)

त्रुटियों के लिये सुझाव अपेक्षित है। सहयोगीजन को साधुवाद

आर्यिका विनतमति.....

विषय सूची - (Index)

विषय - (Subject)	Page No.
■ प्रार्थना - (Prayer) - Mahaaveera Swaamee (महावीर स्वामी)	4
■ कविता - (Poem) -what will do what not do (क्या करोगे -क्या नहीं करोगे)	5
१. अष्ट मूलगुण - Eight Primary virtues	6
२. दान - Charity	13
३. प्राण और पर्याप्ति - Vitalities and completion	16
४. कर्म - Karma	19
■ दर्शन स्तुति - Seeing Invocation	26
■ तीर्थंकर महावीर स्वामी - Teerthankara Mahaaveera Swaamee	31
■ आचार्य श्रीविद्यासागरजी महाराज - Aacharya ShreeVidyasagarji Maharaj	34
■ दीपावली पर्व - Deepawalee Parva	37
■ कुण्डलपुर सिद्धक्षेत्र - Kundalpur Siddhakshetra	39
■ कविता -(Poem) - Seven days of week (सप्ताह के सात दिन)	40

प्रार्थना

महावीर स्वामी

Mahaaveera Swaamee

Mahaaveera Swaamee, Veeraa Shivagaamee
You are three world's lord, you are lord of lords.
Father is Siddhaartha.
Mother is trishalaa .....2.....
You are famous, five name mode. you are lord . II 1II
Mahaaveera Swaamee.....
Took the monk-hood, in the thirty year.....2
Got the hard penance, till the sixty year.....2
Destroyed all the evil knot, You are lord. II 2 II
You are passionless God,you are realness god....2
We are nod for supreme soul, You are lord. II 3 II

Meaning = शब्दार्थ

World's = वर्ल्ड'स = लोक के, **lord** = लॉर्ड = ईश्वर, **father** = फादर = पिता, **mother** = मदर = माता, **famous** = फेमस = प्रसिद्ध, **five** = फाइव = पाँच, **mode** = मोड = प्रकार, **took** = टुक = ग्रहण की, **thirty** = थर्टी = तीस, **year** = ईयर = वर्ष, **got** = गॉट = प्राप्त किया, hard = हार्ड = कठोर, **penance** = पेनन्स = तप, till = टिल = तक, **sixty** = सिक्सटी = साठ, **destroyed** = डेस्ट्रॉयड = नष्ट की, **evil** = ईवल = बुराई, **knot** = नॉट = गाँठ, **passionless** = पेशनलेस = वीतराग, **god** = गॉड = भगवान, **realness** = रीयलनेस = यथार्थ, **nod** = नॉड = नमस्कार करते, **supreme soul** = सुप्रीम सॉल = परमेश्वर ।

कविता Poem

क्या करेंगे - क्या नहीं करेंगे

What will do, what will not do

Happy Happy will you, eat at the night ?
No, No,No. Chhi, Chhi, Chhi.
Happy Happy will you eat the Potato ?
No, No, No, Chhi, Chhi, Chhi.
Happy Happy will you, eat the Onion ?
No, No, No. Chhi, Chhi, Chhi.
Happy Happy will you ,go to temple ?
Yes, yes, yes, Ha, Ha,Ha.
Happy Happy will you, do the piety ?
Yes, yes, yes, Ha, Ha, Ha.
Happy Happy will you, go to the saint ?
Yes,yes, yes, Ha, Ha,Ha.

Meaning = शब्दार्थ

Happy= हेप्पी = खुश, **will you eat** = विल यू ईट = क्या तुम खाओगे, **at the night** = एट द नाइट = रात में, **potato**= पोटेटो = आलू, **onion** = ऑनियन = प्याज , **will you go** = विल यू गो = क्या तुम जाओगे, **temple** = टेम्पल = मंदिर, **will you do** = विल यू डू = क्या तुम करोगे, **piety** = पाइएटि, = ईश्वरभक्ति, **saint** = सेंट = मुनि महाराज।

पहला पाठ First Lesson

अष्ट मूल गुण - The Eight Primary Virtues

अष्ट मूल गुण. The eight primary virtues-

श्रावकों के मुख्य गुणों या नियमों को मूलगुण कहते हैं।

That which have basal (fundamental) virtues or rules of householder are called the primary virtues.

श्रावक के मूलगुण आठ होते हैं **-There are eight kinds of primary virtues of householders.**

आचार्य श्री अमृतचन्द्र जी के अनुसार **-According to Aachaarya Shree Amritachandraji**

1. मद्य त्याग– **Forsaking of wine**
2. मांस त्याग– **Forsaking of flesh**
3. मधु (शहद) त्याग–**Forsaking of honey**
4. बड़ त्याग– **Forsaking of Banyan**
5. पीपल त्याग – **Forsaking of peepal**
6. ऊमर(गूलर)त्याग–**Forsaking of Fig**
7. पाकर त्याग–**Forsaking of Indian Fig.**
8. कठूमर त्याग–**Forsaking of wild Fig.**

आचार्य समन्तभद्र के अनुसार According to Aachaarya Shree Samantabhadra-

1.	अहिंसाणुव्रत	**Small vow of non-violence**
2.	सत्याणुव्रत	**Small vow of Truth**
3.	अचौर्याणुव्रत	**Small vow of non-stealing**
4.	ब्रह्मचर्याणुव्रत	**Small vow of celibacy**
5.	अपरिग्रहाणुव्रत	**Small vow of the practice of non-attachment of worldly things and pleasures**
6	मद्य (शराब) त्याग	**Forsaking of wine**
7	मांस त्याग	**Forsaking of flesh**
8	मधु (शहद) त्याग	**Forsaking of honey**

पंडित आशाधरजी के अनुसार According to pandita Aashaadharaji-

1	रात्रि भोजन त्याग	**Forsaking of taking food at the night.**

2	जीवदया पालन	**To follow the pity on living beings.**
3	जल छानकर पीना	**To drink sieved water.**
4	देवदर्शन करना	**To have a seeing of omniscient lord.**
5	पंच उदम्बर फलों का त्याग	**Forsaking of udambara** (उदम्बर) **fruits i.e.fruits of ficus genus class.**
6	मद्य(शराब) त्याग	**Forsaking of wine**
7	मांस त्याग	**Forsaking of flesh**
8	मधु (शहद) त्याग	**Forsaking of honey**

Meaning = शब्दार्थ

primary = प्राइमरी = मूल **virtues** = वरच्यूज=गुण, **basal (fundamental)** = बेसल = (फन्डामेंटल) = मुख्य, **rules** = रूल्स = नियम, **householder** = हाउसहोल्डर = श्रावक, **according to** = एकॉर्डिंग टू = के अनुसार, **forsaking** = फॉरसेकिंग = त्याग, **wine** = वाइन = मद्य, **flesh** = फ्लेश = मांस, **honey** = हनी = मधु, **banyan** = बनयान = बड़, **figs** = फिग्स = ऊमर(गूलर), **Indian fig** =इंडियन फिग = पाकर, **wild fig** = विल्ड फिग = कठूमर, **small-vow** = स्मॉल-वाउ =अणुव्रत, **nonviolence** = नॉन- वॉयलेन्स = अहिंसा, **truth** = ट्रूथ = सत्य, **non stealing** = नॉन–स्टीलिंग = अचौर्य, **celibacy** = सेलीबेसी = ब्रह्मचर्य, **practice** = प्रेक्टिस = अभ्यास करना, **non- attachment** = नॉन–अटैचमेंट = राग रहित, **worldly** = वर्ल्डली= सांसारिक, **things** = थिंग्स = वस्तुओं, **pleasures** = प्लीजियर्स = भोगों, **taking food** = टेकिंग फूड = भोजन करना, **night** = नाइट = रात्रि, **pity** =पिटी =दया, **living being** = लिविंग बीइंग = जीव, **drink** = ड्रिंक = पीना, **sieved** = सीव्ड = छना हुआ, **seeing** = सींइग = दर्शन करना, **omniscient Lord** =ऑम्निसिएन्ट लॉर्ड = अरहंत प्रभु।

रात्रि भोजन से हानि – The loss caused by taking food at the night.

रात्रि भोजन से पाचन शक्ति क्षीण होती है क्योंकि रात्रि में परिश्रम नहीं होता है, जिससे भोजन सही ढंग से पच नही पाता है और अजीर्ण हो जाता है, स्वास्थ्य खराब हो जाता है, रात्रि में जीवों की उत्पत्ति बहुत हो जाती है, जिससे हिंसा अधिक होती है, अतः हमें रात्रि में भोजन नही करना चाहिये।

To fade the power of digestion by taking food at the night. Because do not strain at the night, so the food to be not digested in the right way and to be indigested, to be ruined the health, taking food at the night gives birth to many living beings. On account of, to be very much violence, so we should not taking food at the night.

भोजन करने का समय – Time of taking the food

हमें भोजन सूर्योदय के 48 मिनट बाद तथा सूर्यास्त के 48 मिनट पहले कर लेना चाहिये।

We should taking the food after 48 minutes from sunrise and before 48 minutes from sunset.

रात्रि भोजन करने वाला मरकर कौवा, बिल्ली, उल्लू, सूअर और अन्न का कीड़ा आदि बनता है।

an eater at night builds the crow , cat, owl, pig and insect of grain after death.

जीव दया पालन – To follow of pity on living beings-

किसी भी प्राणी को कष्ट नहीं देना ,अपने प्राणों जैसे उनके प्राणों को समझना जीव दया पालन कहलाती है। क्योंकि दया ही धर्म का मूल है।

Do not distress to any person and know for their vitalities like oneself vitalities are called follow of pity on living being, because the only pity is foundation of religion .

पानी छानकर पीने का विधान – The rule of drink the sieved water

वैज्ञानिक डॉ. स्ववोर्सवी ने बिना छने जल की एक बूंद में 36450 जीव बताए हैं। जैन दर्शनानुसार–एक बूंद जल में असंख्यात त्रस जीव पाए जाते हैं तथा दया धर्म पालन के लिये, अपने कर्त्तव्य पालन के लिये, जीव रक्षा तथा स्वस्थ रहने के लिए पानी छानकर पीना चाहिये।

Scientist Dr. svavorsavee has defined 36450 living organisms in a drop of unsieved water. According to jainphilosophy-Innumerable mobile beings founded in a single drop of water and we should drink sieved water for follow pity, Follow the duties, protect the living beings and protect of health.

पानी छानने की विधि – Method of Sieving water.

पानी छानने के लिये कपड़ा इतना मोटा होना चाहिये कि उसमें से सूर्य की किरणें न दिखें। छन्ना 36 अंगुल (इंच) लम्बा तथा 24 अंगुल (इंच) चौड़ा होना चाहिये। छन्ने को दोहरा करके बर्तन के मुँह पर रखें और उसमें गड्ढा कर दें, अर्थात् उसे ढीला कर दें। पानी डालते समय इस बात का ध्यान रखें कि अनछना जल इधर–उधर न गिरे पानी छान लिया जाय तब उस छन्ने के ऊपरी भाग पर छना हुआ पानी डालकर उस पानी को एक बर्तन में लें और उस जीवाणी (बिना छने जल) को कड़ेदार की बाल्टी द्वारा कुएँ में पहुँचा दें।

The cloth for sieving water must be as thick that no rays of the sun can be seen through it.it should be 36 fingers (inch) in length and 24 fingers (inch) in breadth. it should be doubled and put on the mouth of the pitcher and small hallow in it, viz to let loose. while pouring water, it should be observed that unsieved water should not fall to and fro. when water is sieved, the upper part cloth (छन्ना Chhannaa) should be washed away with sieved water and collect it into another pot and that remained water (jeevaanee) on the cloth should be poured into the well by the pail with hoop (कड़ा kadaa).

Meaning = शब्दार्थ

Loss=लॉस =हानि, **fade**= फेड = क्षीण होती है, **power** = पॉवर = शक्ति, **digestion** = डाइजेशन =पाचन, **do not strain** =डू नॉट स्ट्रेन = परिश्रम नही होता है, **food** =फूड = भोजन, **to be not**

digested = टू बी नॉट डाइजेस्टेड = पच नही सकता, **to be** = टू बी = होता है , **indigested** = इनडाइजेस्टेड = अजीर्ण, **ruined** = रूइन्ड = खराब, **health** = हेल्थ = स्वास्थ्य, **gives birth** = गिव्ज बर्थ = जन्म देता है, **many** = मेनी = बहुत, **on account of** = ऑन एकाउंट ऑफ =जिससे , **very much** = वेरी मच = अधिक, **violence** = वायॉलेन्स = हिंसा, **should not taking** = शुड नॉट टेकिंग = नहीं करना चाहिए, **after** = आफ्टर = बाद, **before** = बिफोर = पहले, **sunrise** = सनराइज =सूर्योदय, **sunset** = सनसेट = सूर्यास्त, **eater** = ईटर = भोजन करने वाला, **builds** = बिल्डस = बनता है, **crow** = क्रो = कौवा, **cat** = केट = बिल्ली, **owl** = आउल = उल्लू, **pig** =पिग =सूअर, **insect** = इनसेक्ट = कीड़ा, **grain** = ग्रेन = अन्न, **death** = डेथ = मरना, **follow** = फॉलो = पालन करना, **do not distress** = डूनॉट डिस्ट्रेस = कष्ट नहीं देना, **any** = एनी = किसी, **person** = परसन = प्राणी, **know** = नो = जानना, **their** =देअर = उनके, **vitalities** = वाइटिलिटीज = प्राणों, **oneself** = वनसेल्फ = अपने, **foundation** = फाउंडेशन = मूल, **religion** = रिलीजन = धर्म, **scientist** = साइंटिस्ट = वैज्ञानिक, **defined** = डिफाइन्ड = बताए, **organism** = ऑर्गनिज्म = शरीर रचना(जीव), **drop** = ड्रॉप = बूंद, **philosophy** = फिलोसॉफी = दर्शन, **innumerable** = इनन्यूमरेबल = असंख्यात, **mobile** =मोबिल = त्रस , **found** = फाउंड = पाए जाते है, **duties** = ड्यूटीज = कर्त्तव्य, **protect** = प्रोटेक्ट = रक्षा करना। **Cloth** = क्लॉथ = कपडा(छन्ना), **must be** = मस्ट बी = होना चाहिए, **thick** = थिक = मोटा, **as** = एज = इतना, **rays** = रेज = किरणें, **can be seen** = केन बी सीन = दिख सकें, **through** = थ्रू = में से, **fingers** = फिंगर्स = अंगुल, **length** = लेन्थ = लंबाई, **breadth** = ब्रेड्थ = चौडाई, **doubled** = डब्ल्ड = दोहरा, **put on** = पुट ऑन = रखें, **mouth** = माउथ = मुँह, **pitcher** = पिचर = बर्तन, **small hallow** =स्मॉल हॉलो = गड्ढेदार, **to let** = टू लेट =कर दें, **loose** = लूज = ढीला, **while** = व्हाइल = जिस समय, **pouring water** = पोरिंग वॉटर = पानी उड़ेलते, **observed** = ऑब्जर्वड = ध्यान रखें, **fall** =फाल = गिरना, **to and fro** = टू एंड फ्रो= इधर उधर, **when** = व्हेन = जब, **upper** = अपर = ऊपरी, **part** = पार्ट = भाग, **washed away** = वाश्ड अवे = धोएँ, **with** = विद = से, **collect** = कलेक्ट = संचित किया, **another** = अनॉदर = अन्य, **pot** = पॉट = बर्तन, **that** = देट = उस, **remained water** = रिमेन्ड वॉटर = रखा हुआ जल, **well** = वेल = कुआं, **pail** = पेल = बाल्टी, **with hoop** = विद हूप = कड़ेदार।

देवदर्शन - paying reverence to Lord Arihant with proper procedure

अपनी आत्मा को परमात्मा बनाने के लिये भगवान के स्वरूप को श्रद्धा--भक्ति, समर्पण और विनय से निहारना देव दर्शन कहलाता है।

To behold the self-form of lord with fidelity, dedication and modesty for make the god to ownsoul is called the paying reverence to LordArihant with proper procedure.

पंच उदम्बर फल खाने से हानि

The harm is caused by eating the fiveUdambara fruits i.e. fruits of ficus genus class

पंच उदम्बर फलों में अनन्त जीव होते हैं, जो अपनी आँख से दिखने में नहीं आते हैं। अतः इनके खाने से महापाप लगता है।

Infinite mobile beings occurred in the five Udambara fruits, that which donot see with own eyes. So to be great sin by eat them.

मांस खाने से हानि – There is harm by meat-eating

कच्चे या पकाये हुए मांस में उसी जाति के अनन्त जीव निरंतर उत्पन्न होते रहते हैं, मांस खाना अनेक रोगों का जन्मदाता है, इससे कैंसर, हृदयगति रुकना, एग्जीमा, रक्तचाप आदि अनेक रोग उत्पन्न हो जाते हैं, अतः मांस खाना धार्मिक, आर्थिक, सामाजिक, नैतिक तथा चारित्रिक सभी दृष्टियों से हानिकारक है।

The infinite living beings always take birth same as genus in the uncooked and cooked meat. Meat eating is generator of many diseases. Like-cancer, heart- attack, blood-pressure, skin diseases etc; So meat eating is harmful with all the viewpoints, LikeEconomic, religious, social, moral and characteristic.

मद्य (शराब) पीने से हानि – There is harm by wine drinking

शराब पीने से तन, मन, धन और धर्म की हानि होती है। प्रतिष्ठा, इज्जत और सम्मान नष्ट होता है।

There are many harms of body, mind, money and religion by wine drinking and our prestige, honour and respect are decreased.

मधु (शहद) खाने से हानि – There is harm by honey eating

मधु(शहद) मधुमक्खियों के अंडे, लार, मलमूत्र आदि अपवित्र पदार्थों (जो मधुमक्खी के छत्ते में रहते हैं) से प्राप्त होता है तथा इसमें असंख्यात त्रस जीव उत्पन्न होते रहते हैं तथा जीव हिंसा का पाप लगता है।

The honey is achieved by impure object of agg, salive , stool and urine etc. of bee (That which exists in the beehive), So the infinite mobile living beings take birth in this and get the sin of violence of living beings.

Meaning = शब्दार्थ

Paying reverence to Lord Arihant with proper procedure = पेइंग रेवरेन्स टू लॉर्ड अरिहंत विद प्रॉपर प्रोसिड्योर = देवदर्शन **to behold** = टू बिहोल्ड = निहारना, **fidelity**= फिडेलिटी =श्रद्धा, **dedication** =डेडीकेशन =समर्पण, **modesty** = मोडेस्टी, **make** = मेक = बनाने, **god** = गॉड = परमात्मा, **ownsoul** =ओनसॉल = अपनीआत्मा, **harm** = हार्म = हानि, **fruit** =फ्रूट = फल, **take-birth** =टेक–बर्थ = जन्म लेते हैं, **infinite** = इनफिनिट = अनंत, **mobile beings** = मोबिल बीइंग्स =त्रस जीव, **donot see** = डूनॉट सी = दिखाई नहीं देते, **to be** =टू बी = लगता हैं, **meat** = मीट =मांस, **always** = ऑलवेज = हमेशा, **same as genus** = सेम एज जीनस = उसी जाति के, **uncooked** = अनकुक्ड = कच्चे, **cooked** = कुक्ड = पकाए, **many** = मेनी = अनेक, **diseases** = डिसीजेज = रोगों, **like** = लाइक= जैसे, **heart-attack** = हार्ट–अटेक = हृदयगति रूकना, **blood-pressure** = ब्लड–प्रेशर = रक्तचाप, **skin-diseases** = स्किन डिसीजेज = चर्मरोग, **view-points** = व्यू पॉइन्टस = दृष्टिकोणों, **economic** = एकॉनॉमिक = आर्थिक, **religious** = रिलीजियस = धार्मिक, **social** = सोशल = सामाजिक, **moral** = मोरल = नैतिक, **characteristics** = करेक्टेरिस्टिक = चारित्रिक, **money** = मनी = धन, **prestige** = प्रेस्टिज =

प्रतिष्ठा, **honour** = ऑनर = इज्जत, **respect** = रेस्पेक्ट = सम्मान, **decreased** = डिक्रीज्ड = नष्ट होता है, **achieved** = अचीव्ड = प्राप्त होता है, **impure** = इम्प्योर = अपवित्र, **bee** = बी = मधुमक्खी, **egg** = एग = अंडे, **saliva** = सलाइवा = लार, **stool** = स्टूल = मल, **urine** = यूरिन = मूत्र, **exist** = एक्जिस्टस = रहते हैं, **hive** =हाइव = मधुमक्खी का छत्ता ।

प्रश्नावली (Questionnaire)

1. मूलगुण किसे कहते है ?
   What is called the primary virtues ?
2. मूलगुण कितने होते है ? नाम बताओ ।
   How many primary virtues are there? tell their names.
3. रात्रि भोजन करने से क्या हानि है ?
   What is harm by taking at the night ?
4. भोजन कब (किस समय) करना चाहिये ?
   When should taking the food ?
5. रात्रि भोजन करने वाला कहाँ जन्म लेता है ?
   Where take birth the taker at the night ?
6. जीव दया का लक्षण बताओ ?
   To define the pity of living beings ?
7. जैन ग्रंथों में पानी छानकर पीने का विधान क्यों है ?
   Why is there law to drink sieved water in the Jainism-Scriptures ?
8. पानी छानने की विधि क्या है ?
   What is the method of sieving water ?
9. देवदर्शन किसे कहते हैं और क्यों करते हैं ?
   What is called the seeing of omniscient Lord and why is do ?
10. पाँच उदम्बर फल खाने से क्या हानि है ?
    What is loss caused by eating five Udambara fruits ?
11. मांस खाने से क्या हानि है ?
    What is harm caused by meat eating ?
12. मद्य (शराब) पीने से क्या हानि हैं ?
    What is loss caused by wine drinking ?
13. मधु (शहद) खाने से क्या हानि हैं ?
    What is harm caused by honey eating ?

दूसरा पाठ – Second Lesson

दान – Charity

दान – Charity

स्व और पर के उपकार के लिए धनादि द्रव्य दूसरों को देना दान कहलाता हैं

To give one's wealth for mutual benefits of own and anothers. This is called charity (Donation)

दान देने से स्व और पर का उपकार–

The beneficial to both, the giver and recipient from charity.

दान देने से पुण्य का संचय होता है। यह स्व (अपना) उपकार है और जिन्हें दान दिया जाता है, उनके सम्यक् ज्ञान आदि की वृद्धि होती है। यह पर का उपकार है।

The giver accumulates merit and the gift promotes right knowledge and so on in the recipient.

दान के चार भेद – The four kinds of charity

1. आहार दान – **Donation of food.**
2. औषधि दान – **Donation of medicine.**
3. शास्त्र दान **Donation of volumes.**
4. अभय(आवास) दान – **Giving protection or freedom from fear.**

1. आहार दान – **Donation of food**

संयम में तत्पर तथा मोक्षमार्ग पर चलने वाले संयमियों के लिए शुद्ध मन से निर्दोष आहार देना, आहार दान कहलाता है।

Pure food must be offered by the householder with a pure heart to all present saints (guests) on the path of emancipation. Who is earnest in practicing restraint and discipline is called donation of food.

आहार दान में विशेषता – Peculiarity in the donation of food

विधि, द्रव्य, दाता और पात्र से दान में विशेषता आती है।

The distinction with regard to the effect of a gift consists in the manner. The given thing, the nature of giver and nature of recipient.

Meaning = शब्दार्थ

Charity = चेरिटी= दान, **one's** = वन'स = स्वंय का, **wealth** = वेल्थ = धनादि, **another** = अनॉदर = दूसरे, **mutual** = म्युचुअल = स्व और पर, **benefit** = बेनिफिट = उपकार, **giver** = गिवर = दाता, **receipient** = रिसिपिएंट = ग्रहण करने वाला, **accunmulates** = एक्यूम्युलेट्स = संचय होता है, **merit** = मेरिट = पुण्य , **gift** = गिफ्ट = दान , **promotes** = प्रॅमोटेज = वृद्धि करता है, **medicine** = मेडिसिन = औषधि, **volumes** =वॉल्यूम्स = ग्रन्थ, **protection** = प्रॉटेक्शन = सुरक्षा , **freedom** = फ्रीडम = रहित, **fear** = फिअर = भय, **pure** = प्योर = निर्दोष , **must be offered** = मस्ट बी ऑफर्ड = देना चाहिए , **householder** = हाउसहोल्डर = श्रावक, **guests** = ग्रेस्ट्स = अतिथियों, **path** = पाथ = मार्ग, **emancipation** = इमेन्सिपेशन = मोक्ष, **earnest** = अर्नेस्ट = तत्पर, **practicing restraint** = प्रेक्टिसिंग रेस्ट्रेन्ट = संयम, **discipline** = डिसिप्लेन = अनुशासन, **peculiarity** = पिक्यूलिएरिटी = विशेषता, **distinction** = डिसटिंकशन = विशेषता, **regard** = रिगार्ड = मानना , **consists** = कनसिस्ट =सम्बन्धित।

विधि की विशेषता – The excellence of manner.

नवधा भक्ति पूर्वक आहार देना विधि की विशेषता है –

To give the food with devotion of nine kinds is the excellence of manner

विधि – The manner -

प्रतिग्रह (पड़गाहन) आदि करने का जो क्रम है। वह विधि कहलाती है।

The way in which a guest is received is called the manner.

नवधाभक्ति के भेद – The nine kinds of devotion -

1. पड़गाहन करना – **To receive for saint.**
2. उच्च आसन देना – **To sit on the proper wooden seat for saint.**
3. पाद प्रक्षालन करना–**To wash the feet of saint in the platter.**
4. अष्ट द्रव्य से पूजा करना – **To worship of saint by eight objects.**
5. नमोस्तु – **To bow for saint.**
6. मन शुद्धि – **purity of mind.**
7. वचन शुद्धि – **purity of speech.**
8. काय शुद्धि – **purity of body.**
9. आहार जल शुद्ध है – **The food and water are pure.**

द्रव्य की विशेषता – Excellence of things

शुद्ध मर्यादित एवं अनुकूल पदार्थ देना द्रव्य की विशेषता हैं।

To offer the pure food and suitable objects for saint is called excellence of things.

दाता की विशेषता – Excellence of the giver of food-

सात गुणों से युक्त होकर आहार देना , दाता की विशेषता है।

To give the food endowed with seven virtues is called superiority of the giver.

दाता के सात गुण – The seven virtues of a giver.

1. श्रद्धा – **To belief.**
2. भक्ति – **To devote .**
3. विज्ञान – **To have good knowledge.**
4. तुष्टि – **To be contented .**
5. अलुब्धता – **To have not greediness.**
6. क्षमा – **To have forgiveness.**
7. शक्ति – **To keep ability.**

पात्र की विशेषता – Excellence of the recipient of taker of food.

मोक्षमार्ग पर चलने वाले साधु, त्यागी व्रती को आहार देना, पात्र की विशेषता है।

To give the food for saints,forsaker and votary on the path of emancipation is called superiority of the recipient of taker of food.

Meaning = शब्दार्थ

With devotion = विद डिवोशन = भक्तिपूर्वक, **nine kinds** = नाइन काइंड्स = नवधा, **way in which** = वे इन व्हिच = जो क्रम है, **guest** = गेस्ट = अतिथि, **received** = रिसीव्ड = पडगाहन करना, **sit**= सिट = बैठना, **proper** = प्रॉपर = उचित, **wooden** = वुडन =काष्ठ निर्मित, **seat** = सीट = आसन, **wash** = वाश = प्रक्षालन करना, **feet** = फीट = चरण, **platter** = प्लेटर = थाल, **worship** = वर्शिप = पूजा करना, **eight objects** = एट ऑब्जेक्टस = अष्टद्रव्य, **excellence** = एक्सेलेन्स = विशेषता, **offer** = ऑफर = देना, **suitable** = सूटेबल = अनुकूल, **endowed** = एन्डोड = युक्त, **superiority** = सुपीरिअरिटी = विशेषता, **belief** = बिलीफ = श्रद्धा, **devote** =डिवोट = भक्ति, **good knowledge** = गुड नॉलेज = विज्ञान, **contented** = कन्टेन्टेड = तुष्टि, **not greediness** = नॉट ग्रीडीनेस = अलुब्धता,**forgiveness** = फोरगिवनेस = क्षमा, **ability** = एबीलिटी = शक्ति, **forsaker** = फोरसेकर = त्यागी, **votary** = वोटरि = व्रती।

2. औषधि दान – Donation of medicine

रोग, पीड़ा आदि को दूर करने के लिए शुद्ध औषधि आदि देना, औषधि दान कहलाता है।

To give the wholesome and proper medicine to recipient for destroying of sickness and suffering is called the donation of medicine.

3. ज्ञान दान – Donation of volumes of scriptual knowledge

ज्ञान वृद्धि के लिए पुस्तक, शास्त्र, पेन, कॉपी आदि धर्मोपकरण देना, शास्त्र दान कहलाता है।

The implements such as book, volume, pen and copy etc. which promote right knowledge and so on, presented to recipient is called the donation of volume of knowledge.

4. अभय (आवास) दान–

The giving the protection or freedom from fear to all living beings.

सभी जीवों का भय दूर करना,रक्षा करना तथा सभी अतिथियों (साधुओं) को वसतिका (स्थान) का दान देना अभय (आवास) दान कहलाता है।

Making the beings fearless and giving protection to them and providing/ donating hermitage for the all recipients is called the giving the protection or freedom from fear.

दान देने से लाभ – The benefit from donation.

दान देने से दुर्गति का नाश होता है, पुण्य का फल, उत्तमोत्तम सुख तथा परम्परा से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

To destroy the misery by donation, attains the fruits of merit, the topmost bliss and the traditional liberation.

Meaning = शब्दार्थ

Medicine = मेडिसिन = औषधि, **wholesome** = हॉलसम = लाभदायक, **sickness** = सिकनेस = रोग, **suffering** = सफरिंग = पीडा, **implements** = इम्प्लीमेन्टस = उपकरण, **promote** = प्रॅमोट = वृद्धि करना, **presented** = प्रजेन्टेड = देना, **shelter** = शेल्टर = स्थान देना, **protect** = प्रोटेक्ट = रक्षा करना, **freedom from fear** = फ्रीडम फ्रॉम फिअर = अभय, **misery** = मिजरि = दुर्गति, **topmost** = टॉपमोस्ट = उत्तमोत्तम, **bliss** = ब्लिस = सुख, **traditional** = ट्रेडिशनल = परम्परा से, **liberation** = लिबरेशन =मोक्ष।

प्रश्नावली (Questionnaire)

1. दान किसे कहते है ?

   What is called the donation ?

2. दान कितने प्रकार के होते है ? नाम बताओ ।

   How many kind of charity are there ? tell their names.

3. आहार दान किसे कहते है ?

   What is called the donation of food ?

4. दान देने से स्व (दाता) और पर (पात्र) का क्या उपकार होता है ?

   What is beneficial to both one's (giver) and another (recipient) from donation ?

5. आहार दान में विशेषता कैसे आती है। ?

   How does excellence grow in the donation of food ?

6. विधि, द्रव्य, दाता और पात्र की विशेषता बताओ ?

   Tell the excellence of manner, the given things,the giver and the recipient ?

7. दाता के कितने गुण होते है ? नाम बताओ ।

   How many virtues of a giver are there ? tell their name.

8. नवधा भक्ति किसे कहते है ? उनके नाम बताओ।

   what is called devotion of nine kinds? tell their name.

9. औषधि दान किसे कहते है ?

   what is called the donation of medicine?

10. शास्त्र (ज्ञान) दान की परिभाषा बताओ ?

    define the donation of volume knowledge ?

11. अभय या आवास दान किसे कहते हैं ?

    what is called the giving of protection or freedom from fear?

12. दान देने का क्या फल मिलता हैं ?

    what is attain the fruit of donation ?

तीसरा पाठ – Third Lesson

प्राण और पर्याप्ति

Vitalities and Completion

प्राण – Vitalities

जिनके द्वारा जीव जीता है, उन्हें प्राण कहते हैं।

By which the living being have life is called vitality.

प्राण दस होते हैं – पाँच इन्द्रिय प्राण, तीन बल प्राण, श्वासोच्छवास और आयु प्राण।

There are ten kinds of vitalities,namelyfive sensed vitality, three strength vitality, respiration and life duration vitality.

पाँच इन्द्रिय प्राण –

There are five kinds of senses vitalities. Namely

1. एकेन्द्रिय प्राण (स्पर्शन) –
   That which is vitality of the one sensed i.e. touch.
2. द्वीन्द्रिय प्राण (स्पर्शन, रसना)
   That which are vitalities of the two sensed i.e. touch and taste.
3. त्रीन्द्रिय प्राण (स्पर्शन, रसना, घ्राण)
   That which are vitalities of the three sensed i.e. the touch , taste and smell.
4. चतुरिन्द्रिय प्राण (स्पर्शन, रसना, घ्राण तथा चक्षु)
   That which are vitalities of the four sensed i.e. touch , taste , smell and seeing.
5. पंचेन्द्रिय प्राण (स्पर्शन, रसना, घ्राण, चक्षु और श्रोत्र)
   That which are vitalities of the five sensed i.e. touch , taste , smell, seeing and hearing.

तीन बल प्राण – Three strength vitalities.

1. मनोबल – **The strength of mind.**
2. वचनबल – **The strength of speech.**
3. कायबल – **The strength of body.**

Meaning = शब्दार्थ

Vitalities = वाइटेलिटीज = प्राण, **by which** = बाय व्हिच = जिनके द्वारा, **have life** =हेव लाइफ= जीता है, **strength** = स्ट्रेंग्थ = बल, **respiration** = रेसपिरेशन = श्वासोच्छवास, **life duration** = लाइफ ड्यूरेशन = आयु, **smell** = स्मेल= सूंघना, **seeing** = सीइंग = देखना, **hearing** = हीअरिंग =सुनना।

एकेन्द्रिय के चार प्राण होते हैं – एक (स्पर्शन) इन्द्रिय, एक काय बल , श्वासोच्छवास और आयु।

The one sensed being possess the four vitalities i.e. one sense (touch), one strength of body, respiration and life duration.

द्वीन्द्रिय के छह प्राण होते हैं – दो इन्द्रिय (स्पर्शन, रसना), दो बल (वचन, काय), श्वासोच्छवास और आयु प्राण।

The two sensed being possess the six vitalities i.e. two senses (touch and taste), two strength (speech and body), respiration and life duration

त्रीन्द्रिय के सात प्राण होते हैं – तीन इन्द्रिय (स्पर्शन, रसना, घ्राण), दो बल (वचन, काय), श्वासोच्छवास और आयु प्राण।

The three sensed being possess the seven vitalities i.e. three senses (touch , taste and smell) , two strength (speech and body) , respiration and life duration.

चतुरिन्द्रिय के आठ प्राण होते हैं – चार इन्द्रिय (स्पर्शन,रसना, घ्राण,चक्षु), दो बल (वचन, काय) श्वासोच्छवास और आयु प्राण।

The four sensed being possess eight vitalities i.e. four senses (touch , taste smell and seeing) , two strength (speech and body)

असैनी पंचेन्द्रिय के नौ प्राण होते हैं –पाँच इन्द्रिय (स्पर्शन,रसना,घ्राण,चक्षु और श्रोत्र), दो बल (वचन,काय) श्वासोच्छवास और आयु प्राण ।

The without mental power five second beings possess nine vitalities i.e. five senses (touch, taste, smell, seeing and hearing), two strength (body,speech) respiration and life duration.

सैनी पंचेन्द्रिय के दस प्राण होते है– पाँच इन्द्रिय (स्पर्शन, रसना घ्राण, चक्षु और श्रोत्र), तीन बल (काय, वचन, मन) श्वासोच्छवास और आयु प्राण।

The with consciousness five sensed being possess the ten vitalities i.e. five senses (touch,taste, smell,seeing and hearing), three strength of (body,speech,mind), respiration and life duration.

Meaning = शब्दार्थ

Possess = पॅजेस = अधिकारी होते हैं, **respiration** = रेसपिरेशन = श्वासोच्छवास, **life-duration** = लाइफ–ड्यूरेशन = आयु, **without mental power** = विदआउट मेन्टल पॉवर = असैनी, **with consciousness** =विद कॉन्शसनेस = सैनी।

पर्याप्ति = Completion

योनि स्थान में जीव उत्पन्न होते ही तीन शरीर के जिन योग्य पुद्गल वर्गणाओं को ग्रहण करता है, उनकी पूर्णता को पर्याप्ति कहते हैं।

The living being have taken to those material varifroms of capable of three bodies germinated in the wombplace, their complete development is called the completion.

योनि स्थान में जीव के द्वारा पूर्ण शारीरिक विकास की योग्यता की विशिष्ट शक्ति को प्राप्त करना पर्याप्ति कहलाती है।

The gaining by the soul of the capacity to develop fully the characteristics of the body into which it incarnates.

पर्याप्ति छह होती हैं – There are six kinds of the completions.

1. आहार पर्याप्ति – **Complete development of body after transmigration.**
2. शरीर पर्याप्ति – **Formation of essential elements of body.**
3. इन्द्रिय पर्याप्ति – **Complete development of sense.**

4. श्वासोच्छवास पर्याप्ति – **Complete development of respiration.**
5. भाषा पर्याप्ति – **power of vocal Completion.**
6. मन पर्याप्ति – **Complete development of mind.**

एकेन्द्रिय के चार पर्याप्ति होती हैं– आहार, शरीर, इन्द्रिय और श्वासोच्छवास।

The one sensed beings possess the four completion i.e. food, body, sense and respiration

द्वीन्द्रिय से असैनी पंचेन्द्रिय तक पाँच पर्याप्ति होती हैं– आहार , शरीर , इन्द्रिय, श्वासोच्छवास और भाषा।

The two sensed beings to without mind five sensed beings possess five completions i.e. the food , body , sense , respiration and vocal.

सैनी पंचेन्द्रिय के छह पर्याप्ति होती हैं – आहार, शरीर, इन्द्रिय, श्वासोच्छवास, भाषा और मन।

The with mind five sensed beings possess six completions i.e. food, body, sense, respiration, vocal and mind.

Meaning = शब्दार्थ

completion = कम्प्लेशन = पर्याप्ति, **have taken** = हेव टेकन = ग्रहण करता है, **material** = मटेरियल = पुद्गल, **variforms** = वेरीफॉर्मर्स = वर्गणाओं, **capable** = केपेबल = योग्य, **bodies** = बॉडीज = शरीर, **germinated** = जर्मिनेटेड = उत्पन्न होते ही, **womb place** = वूम प्लेस = योनि स्थान, **completion development**=कम्प्लेशन डेवलपमेंट=पूर्णता, **respiration**=रेसपिरेशन = श्वासोच्छवास।

प्रश्नावली (Questionnaire)

1. प्राण किसे कहते हैं ?
   What is called vitality?
2. प्राण कितने होते हैं ? नाम बताओ?
   How many vitalities are there ? Tell their name ?
3. एकेन्द्रिय के कितने प्राण होते हैं ? कौन–कौन से?
   How many vitalities are there of one sensed ? Which is ?
4. दो इन्द्रिय से सैनी पंचेन्द्रिय तक कितने प्राण होते हैं ?
   How many vitalities are there of two sensed to with mind five sensed beings ?
5. पर्याप्ति किसे कहते हैं ?
   What is called the completion ?
6. पर्याप्ति कितनी होती हैं ? नाम बताओ ?
   How many completion are there ? Tell their name ?
7. एकेन्द्रिय से सैनी पंचेन्द्रिय तक कितनी पर्याप्ति होती हैं ?
   How many completion are there of the one sensed to with mind five sensed beings ?

चौथा पाठ – Fourth Lesson

कर्म – karma

कर्म– karma

पुद्गल के अति सूक्ष्म परमाणु जो राग–द्वेष के द्वारा आत्मा के प्रदेशों से चिपक जाते हैं। उन्हें कर्म कहते हैं।

That which very slight atom of matter are combined with space point of the soul by attachment and hatred is called the karma.

कर्म के आठ भेद – There are eight kinds of karmas–

1. ज्ञानावरणकर्म – **Obscuring karma of knowledge.**
2. दर्शनावरणकर्म – **Perception covering karma.**
3. वेदनीयकर्म – **Karma causing the experience of pain and pleasure.**
4. मोहनीयकर्म – **Karmic nature of delusion.**
5. आयुकर्म – **Age karma.**
6. नामकर्म – **Body physique making karma.**
7. गोत्रकर्म – **Status determining karma.**
8. अन्तरायकर्म – **Obstructive karma.**

1. **ज्ञानावरण कर्म : Obscuring karma of knowledge**

जो ज्ञान को आवृत्त करता है, ढ़कता है। उसे ज्ञानावरण कर्म कहते हैं।

That which is covered to knowledge is called obscuring karma of knowledge.

ज्ञानावरण कर्म के पाँच भेद – there are five kinds of obscuring karma of knowledge-

1. मतिज्ञानावरण – **Obstructive Karma of Sensory knowledge.**
2. श्रुतज्ञानावरण – **Karma obscuring the scriptual knowledge .**
3. अवधिज्ञानावरण – **obscuring the clairvoyance.**
4. मन : पर्ययज्ञानावरण – **Karma obscuring the telepathic knowledge.**
5. केवलज्ञानावरण – **obstruction in perfect knowledge.**

2. **दर्शनावरण कर्म – perception covering karma**

जो दर्शन आवृत्त करता है, ढ़कता है। उसे दर्शनावरण कर्म कहते हैं।

That which is covered to perception virtue is called perception covering karma.

दर्शनावरण कर्म के नौ भेद–There are nine kinds of perception covering karma-

1. चक्षु दर्शनावरण – **Obscuring karma of ocular conation.**
2. अचक्षु दर्शनावरण – **Non-Ocular conation obscuring karma.**
3. अवधि दर्शनावरण – **Obscuring the clairvoyance .**
4. केवल दर्शनावरण – **Obstruction in absolute perception.**
5. निद्रा – **karmic nature causing sleep.**
6. निद्रानिद्रा – **Karmic nature causing deep sleep.**
7. प्रचला – **Karmic nature causing drowsiness.**

8. प्रचलाप्रचला – **Karmic nature causing deep drowsiness.**
9. स्त्यानगृद्धि – **Karmic nature causing power of committing abnormal activities in the state of somnambulism (committing cruel deeds in sleep).**

Meaning = शब्दार्थ

Slight = स्लाइट = सूक्ष्म, **atoms** = एटम्स = परमाणु, **matter** = मेटर = पुद्गल, **combined** = कम्बाइंड = मिल जाना, **space-point** = स्पेस–पॉइन्ट= प्रदेश, **soul**=सॉल = आत्मा, **attachment** = अटेचमेन्ट = राग, **obscuring** = ऑबस्क्योरिंग = आवरण, **perception** = परसेप्शन = दर्शन, **delusion** = डेल्यूजन = मोहनीय, **body-making** = बॉडि–मेकिंग = शरीर आकार बनाना, **status** = स्टेट्स = अवस्था, **obstructive** = ऑब्सट्रेक्टिव = अन्तराय, **sensory** = सेन्सरी = इन्द्रिय जन्य, **scriptural** = स्क्रिप्चुअल = धर्मग्रंन्थ, **clairvoyance** = क्लेअरवॉयन्स = अवधि, **telepathic** =टेलिपेथिक =मनःपर्यय, **ocular** = ऑक्युलर = चक्षु संबंधी, **deep –sleep** = डीप–स्लीप= निद्रानिद्रा, **drowsiness** = ड्राउजिनेस = प्रचला, **committing** = कम्मिटिंग = करना, **abnormal**= ऑन्नॉरमल = असामान्य, **somnambulism** = साम्नाम्ब्युलिज्म = स्त्यानगृद्धि , **cruel** = क्रुऍल = कठोर, **deeds** = डीड्स = कार्य ।

3 वेदनीय कर्म – pleasure and pain giving karma

जिस कर्म के उदय से सुख दुख का वेदन (अनुभव) होता है। उसे वेदनीय कर्म कहते हैं ।

That karma on the rise of which a living beings obtains the sensuous and mental pleasures and sufferings is called pleasure and pain giving karma.

वेदनीय कर्म के दो भेद There are two kinds of the pleasure and pain giving karma.

1. सातावेदनीय - **pleasure giving karma.**
2. असातावेदनीय **pain causing karmic nature.**

4 मोहनीय कर्म karmic nature of delusion.

जिस कर्म के उदय से सम्यग्दर्शन और सम्यक् चारित्र नहीं होता है, उसे मोहनीय कर्म कहते हैं।

That which on the rise of which living being does not obtain right faith and right conduct is called karmic nature of delusion.

मोहनीय कर्म के दो भेद There are two kinds of karmic nature of delusion.

1. दर्शन मोहनीय कर्म **Right faith delusion.**
2. चारित्र मोहनीय कर्म **Couduct deluding karma.**

दर्शन मोहनीय कर्म के तीन भेद **There are three kinds of right delusion karma.**

1. मिथ्यात्व **Wrong belief.**
2. सम्यक्त्व मिथ्यात्व (मिश्र) **karmic nature causing both right and wrong delusion.**
3. सम्यक्त्व प्रकृति **A karmic nature causing obstacle in right faith.**

चारित्र मोहनीय कर्म के दो भेद **There are two kinds of conduct deluding karma.**

1. कषाय वेदनीय - **Feeling of passions.**
2. अकषाय वेदनीय - **The quasi passional karma.**

1. कषाय वेदनीय के सोलह भेद **There are sixteen kinds of feeling of passions**

1. अनन्तानुबन्धी – क्रोध, मान, माया, लोभ **That which leading to endless mundane existence– Anger, pride, deceit and greed.**

2. अप्रत्याख्यानावरण - क्रोध, मान, माया, लोभ **That which obscuring the partial vows Anger, pride, deceit and greed.**
3. प्रत्याख्यानावरण - क्रोध, मान, माया, लोभ - **That which obscuring the complete restraint Anger ,pride , deceit and greed.**
4. संज्वलन क्रोध , मान , माया , लोभ **That which disturbs the prefect conduct-Anger , pride , deceit and greed.**

2. अकषाय वेदनीय के नौ भेद There are nine kinds of the quasi- passional karma.

1. हास्य - **Laughing.**
2. रति - **Liking.**
3. अरति - **Disliking.**
4. शोक - **Sorrow.**
5. भय - **Fear**
6. जुगुप्सा - **Disgust.**
7. पुरुषवेद - **karmic nature of male causing lust for female.**
8. स्त्रीवेद - **karmic nature causing sexual desire in woman.**
9. नपुंसकवेद - **karmic nature causing impotent being.**

Thus these passions are make-up twenty eight kinds of deluding karma.

Meaning = शब्दार्थ

Rise = राइज = उदय, **obtains** = ऑब्टेन्स = वेदन, **sensuous** = सेन्सुअस = इन्द्रियजनित, **mental** = मेन्टल = मानसिक, **pleasures** = प्लीजियर्स = सुख, **sufferings** = सफरिंग्स =दु:ख, **obstacle** = ऑब्सटेकल = बाधा, **leading** = लीडिंग = अनुकरण, **endless** = एन्डलेस = अनन्त, **mundane existence** = मनडेन एक्जिस्टेन्स = भवों ,**deceit** = डिसीट = माया, **greed** = ग्रीड = लोभ, **partial** = पार्शल = आंशिक, **disturbs** = डिस्टर्बस = विघ्न डालना, **complete restraint** = कम्प्लीट रेस्ट्रेन्ट = सकल संयम, **perfect conduct** = परफेक्ट कंडक्ट = यथाख्यात, **laughing** = लॉफिंग = हास्य, **liking** = लाइकिंग = रति, **disliking** = डिस्लाइकिंग = अरति, **sorrow** = सॉरो = शोक, **fear** = फिअर = भय, **disgust** = डिसगस्ट = जुगुप्सा, **male** = मेल = पुरुष, **female** = फीमेल = स्त्री, **impotent** = इम्पोटेन्ट = नपुंसक ।

5. आयुकर्म : Age (life-determining) karma

जिस कर्म के उदय से आत्मा चतुर्गति में एक निश्चित समय तक रूकी रहती है,उसे आयु कर्म कहते है।

That karma on the rise of which a living being takes fixed a gait into four gaits till the fixed period is called age (life-determining) karma.

आयु कर्म के चार भेद There are four kinds of age (life determining) karma.

1. नरकायु **Age of infernal beings.**

7 **गोत्र कर्म –** **The status determining karma**

जिस कर्म के उदय से लोक पूजित कुलों में तथा लोक निंदित कुलों में जन्म होता हैं, उसे गोत्र कर्म कहते हैं।

Owing to the rise of the these karma on individual is born in a high or noble family of great rspectability and prestige and a low family lacking in prestige and respectability is called status determining karma.

गोत्र कर्म के दो भेद – there are two kinds of status determining karma.

1 उच्च गोत्र कर्म – **the high status determining karma.**
2 नीच गोत्र कर्म – **the low status determining karma.**

8. **अंतराय कर्म –** **Obstructive karma**

जिस कर्म के उदय से कार्यों के करने में विघ्न उत्पन्न होता है, उसे अंतराय कर्म कहते हैं।

Owing to the rise of the these karma to obstruct in the act of any deed is called obstructive karma.

अंतराय कर्म के पाँच भेद – there are five kinds of obstructive karma.

1. दानान्तराय कर्म – **An obscuring karmic nature in the activity of donation.**
2. लाभान्तराय कर्म – **obstruction in getting desirable attainment**
3. भोगान्तराय कर्म – **obstructive karma in the way of worldly enjoyments**
4. उपभोगान्तराय कर्म – **obstructive karma of consumptions.**
5. वीर्यान्तराय कर्म – **An obstructive karma obscuring the vitality of being or soul.**

Meaning = शब्दार्थ

High status = हाई स्टेट्स = उच्च अवस्था, **high status determining** = हाई स्टेटस डिटरमाइनिंग = गोत्र, **individual** = इनडिविडुअल = व्यक्तित्व, **noble** =नोबल= सुप्रतिष्ठित, **family** = फेमिली = कुल **respectability** = रेस्पेक्टएविलिटी = पूज्यता, **prestige** = प्रेस्टीज = प्रतिष्ठा,**low** = लो = नीच **lacking** = लेकिंग = कमी हुये, **obstruct**=ऑब्सट्रक्ट= विघ्न उत्पन्न करना,**donation** =डोनेशन =दान, **getting** =गेटिंग =प्राप्ति **desirable**=डिजायरेबल=इच्छित, **consumption** = कन्सम्पशन=उपभोग।

प्रश्नावली (Questionnaire)

1. कर्म किसे कहते हैं ?
   what is called the karma ?
2. कर्म के कितने भेद हैं ?कौन से ?
   How many kinds of karma ? which are they ?
3. ज्ञानावरण कर्म किसे कहते हैं ?
   What is called the knowledge obscuring karma are there ?
4. ज्ञानावरण कर्म के कितने भेद हैं ?
   How many kinds of knowledge obscuring karma are there ?
5. दर्शनावरण कर्म किसे कहते हैं ?इसके कितने भेद हैं ?
   What is called the perception obscuring karma? How many kinds are there?
6. वेदनीय कर्म की परिभाषा तथा भेद बताओ ?
   Tell the definition and kinds of feeling producing karma ?
7. मोहनीय कर्म किसे कहते हैं ?
   What is called deluding karma ?
8. मोहनीय कर्म के भेद–प्रभेद कितने हैं ?कौन – कौन हैं ?
   How many kinds and sub-kinds of deluding karma are there ?Which are these ?
9. आयु कर्म किसे कहते हैं ?भेद बताओ।
   What is called the age (life-determining) karma ?
10. नाम कर्म किसे कहते है ?
    What is called the name determining karma ?
11. नाम कर्म के भेद कितने हैं ?नाम बताओ।
    How many kinds of name determining karma ? Tell their name ?
12. गोत्र कर्म की परिभाषा बताओ तथा भेद कितने हैं ?
    Define the status dermining karma and how many kinds ar3e their ?
13. अन्तराय कर्म किसे कहते हैं ?भेदों के नाम क्या हैं ?
    What is called the obstructive karma ?What the name are their kinds ?

दर्शन स्तुति

Seeing Invocation

दर्शनं देव देवस्य, दर्शनं पापनाशनम् ।
दर्शनं स्वर्ग सोपानं, दर्शनं मोक्ष साधनम् ।।1।।

Darshanam deva devasya, Darshanam paapanaashanam.
Darshanam svarga sopaanam. Darshanam mokshasaadhanam.

अर्थ– देवाधिदेव अरहंत भगवान का दर्शन पापों का नाशक है । स्वर्ग की सीढ़ी है। मोक्ष का साधन है।

Paying reverence to Lord Arihant with proper procedure is destroyer of sins is the step of heaven and is resource of liberation.

Meaning = शब्दार्थ

Destroyer = डेस्ट्रॉयर = नाशक, **sins** = सिन्स = पापों, **step** स्टेप= सीढ़ी, **resource** = रिसोर्स = साधन, **liberation** = लिबरेशन = मोक्ष।

दर्शनेन जिनेन्द्राणां, साधुनां वन्दनेन च।
न तिष्ठति चिरं पापं, छिद्रहस्ते यथोदकम्।।2।।

Darshanena Jinendraanaam, Saadhunaam Vandanena cha.
Na Tishthati Chiram Paapam Chhidra-haste yathodakam.

अर्थ :– जिस प्रकार छिद्र रहित हाथों में जल बहुत समय तक नहीं टिकता है। उसी प्रकार जिनेन्द्र देव के दर्शन और साधुओं की वंदना करने से पाप लंबे समय तक नहीं ठहरते हैं।

Jast as the water do not stop for a long time into palm of hand with hole, similarly the sins donot stop for a long time by seeing of omniscient (Jinendra) and bow to saints.

Meaning = शब्दार्थ

Jast as =जस्ट एज = जिस प्रकार, **do not stop**=डूनॉट स्टॉप = नहीं टिकता, **palm** =पाम = हथेली, **hole** = होल = छिद्र, **similarly** = सिमिलर्ली = उसी प्रकार, **omniscient** = ऑम्निसिएन्ट =अरिहंत, **saints**= सेंट्स=साधुओं ।

वीतराग मुखं दृष्टवा पद्मराग समप्रभम्।
नैक जन्मकृतंपापं, दर्शनेन विनश्यति।।3।।

Veetaraaga Mukham Drishtavaa Padmaraaga Samaprabham.
Naika Janmakritam paapam, darshanena Vinashyati.

अर्थ – पद्मरागमणि की प्रभा के समान वीतराग भगवान को देखकर जन्म जन्म में किए गए पाप दर्शन करने से नाश को प्राप्त हो जाते हैं।

Visiting to face of passionless Lord like rediant of padmaraaga (पद्मराग) gem sin had done into birth and rebirth destroyed by visit to you.

Meaning = शब्दार्थ

Exponent = एक्सपॉनेंट = बतलाने वाले, **nature** = नेचर =स्वरूप, **elements** = एलीमेंट्स = तत्वों, **non-soul**= नॉन–सॉल = अजीव, **inflow of karmas** = इनफ्लो ऑफ कर्माज = आस्रव, **stoppage** = स्टॉपेज =संवर, **shedding-off** = शेडिंग–ऑफ = निर्जरा , **liberation** = लिबरेशन = मोक्ष।

चिदानन्दैक रूपाय, जिनाय परमात्मने।
परमात्मप्रकाशाय, नित्यं सिद्धात्मने नमः।।7।।

Chidaanandaika Roopaaya Jinaaya Paramaatmane,
Paramaatma Prakaashaaya, Nityam Siddhaatmane Namah.

अर्थ – हे भगवन् ! आप आनंद स्वरूप हैं, कर्मों को जीतने वाले हैं, उत्कृष्ट आत्मा हैं, परम तत्व आत्मा के प्रकाशक हैं, सिद्ध स्वरूप हैं, आपको सर्वदा नमस्कार हो।

O' Bhagavan ! You are nature of self-joy ,is victor of karmas, is supreme soul, is indicator of supreme soul element, is nature of pure soul, always bow to you.

Meaning = शब्दार्थ

Joy = जॉय = आनंद, **victor** = विक्टर = जीतने वाले, **indicator** = इंडीकेटर = प्रकाशक, **pure soul** = प्योर सॉल = सिद्ध।

अन्यथा शरणं नास्ति, त्वमेव शरणं मम।
तस्मात् कारुण्य भावेन, रक्षरक्ष जिनेश्वर।।8।।

Anyathaa Sharannam Naasti, Tvameva Sharannam Mama.
Tasmaat Kaarunnya Bhaavena, Raksha Raksha Jineshvara.

अर्थ – संसार में आपके सिवाय अन्य कोई शरण नही हैं। आप ही मेरे शरण हैं इसलिए हे जिनदेव ! दया करके रक्षा करो, रक्षा करो।

Any other donot shelter except you in the world, So O' Lord of gods (jinadeva) may please kindly save up, save up.

Meaning = शब्दार्थ

Any = एनी = कोई, **other** = अदर = अन्य, **do not shelter** = डू नॉट शेल्टर = शरण नहीं, **except** = एक्सेप्ट = के सिवाय, **kindly** = काइंडली = कृपा करके, **save up** = सेव अप=रक्षा करो।

नहि त्राता नहि त्राता, नहि त्राता जगत्त्रये।
वीतरागात् परो देवो, न भूतो न भविष्यति।।9।।

Nahi Traataa Nahi Traataa, Nahi Traataa Jagattraye
Veetaraagaat paro Devo, Na Bhooto Na Bhavishyati.

अर्थ– तीन लोक में वीतराग अरिहंत भगवान के सिवाय अन्य कोई, जीवों का रक्षक न भूतकाल में हुआ और न भविष्य में होगा।

Except Arihant Bhagavaana (अरिहंत भगवान) in the world, the protector of any other ·ings neither became in past nor will be in future.

Meaning = शब्दार्थ

Protector = प्रोटेक्टर = रक्षक, **beings** = बींइंग्स = जीवों, **neither** = नाइदर = न ही, **became** = बीकेम = हुआ, **nor** = नोर = न ही, ।

जिनेभक्तिर्जिनेभक्ति र्जिनेभक्ति र्दिनेदिने ।
सदामेऽस्तु सदामेऽस्तु सदामेऽस्तु भवे भवे ।।10।।

Jinebhaktir Jinebhaktir, Jinebhaktir Dinedine.
Sadaame(a) stu Sadaame (a) stu Sadaame (a) stu Bhave Bhave.

अर्थ – हे प्रभो ! प्रतिदिन और भव भव में भी मुझमें जिनभक्ति सदा हो, मुझमें जिनभक्ति सदा हो, मुझमें जिनभक्ति सदा हो।

On too even everylife and everyday, always the devotion of jinendra (जिनेन्द्र) may be into my heart, always the devotion of jinedra may be into my heart, always the devotion of jinendra may be into my heart.

Meaning = शब्दार्थ

On too even = ऑन टू ईवन = में भी, **every life** = एवरी लाइफ = प्रत्येक जन्म, **everyday** = एवरी डे = प्रतिदिन, **may be** = मे बी = हो, **into my heart** = इनटू माई हार्ट = मेरे हृदय में।

जिन धर्म विनिर्मुक्तो, मा भूवं चक्रवर्त्यपि ।
स्यां चेटोऽपि दरिद्रोऽपि, जिनधर्मानुवासितः ।।11।।

Jinadharama Vinirmukto, Maa Bhoovan Chakravartyapi
Syaam Cheto(a)pi Daridro(a)pi, Jinadharmaanuvaasitah.

अर्थ - जिन धर्म से रहित चक्रवर्ती पद भी मुझे प्राप्त नही हो, चाहे दुःखी, दरिद्री भी होना पड़े, परन्तु जिनधर्म सहित मेरा जीवन हो ।

I should not obtain the rank of chakravartee (चक्रवर्ती) without Jina-religion. Whether has been became poor and woeful but my life may be with Jina- religion.

Meaning = शब्दार्थ

Should not obtain = शुड नॉट ऑब्टेन = प्राप्त नही हो, **rank** = रैंक = पद, **whether** = वेदर = चाहे, **became** = बीकेम = होना पड़े, **poor** = पूअर = दरिद्री , **woeful** = वोफुल = दु:खी ।

जन्मजन्मतं पापं,जन्म कोटिमुपार्जितम् ।
जन्म मृत्यु जरा रोगो, हन्यते जिनदर्शनात् ||12||

Janma Janma Kritam paapam Janma Kotimupaarjitam.
Janma Mirtyu jaraa Rogo, Hanyate Jindarshanaat.

अर्थ अरिहंत भगवान के दर्शन से जन्म जन्मान्तर के उपार्जित करोडों पाप व जन्म, मरण, बुढ़ापा और रोग नष्ट हो जाते हैं।

The crore acquired sins of birth and rebirth, and birth, death, oldage and sickness are destroyed by seeing of Arihanta Bhagavaana.

Meaning = शब्दार्थ

Acquired = एक्वायर्ड = उपार्जित, **birth and rebirth** = बर्थ एंड रिबर्थ = जन्म–जन्मान्तर, **sickness** = सिकनेक = रोग, **seeing** = सीइंग = दर्शन।

अद्यभवत् सफलता नयनद्वयस्य, देव! त्वदीय चरणाम्बुजवीक्षणेन ।
अद्य त्रिलोक–तिलक!प्रतिभासते मे,संसारवारिधिरयं चुलुकप्रमाण : ||13||

Adyaabhavat Saphalataa Nayanadvayasya,
Deva Tvadeeya Charannaambuja veekshannena.
Adya Triloya Tilaka Pratibhaasate me,
Sansaaravaaridhirayam Chuluka pramaannah.

अर्थ – हे जिनदेव ! आपके चरण कमल को देखने से आज मेरे दोनों नेत्र सफल हो गए हैं। हे तीन लोक के चूड़ामणि मुझे आज यह संसार बहुत थोड़ा प्रतीत हो रहा हैं।

O'Jinadeva ! Today my both eyes has succeeded by visit of your lotus-feet.
O'most excellent of three worlds, today have been seeming this world,is very little

Meaning = शब्दार्थ

succeeded = सक्सीडेड = सफल हो गए , **visit** = विजिट = दर्शन, **most excellent** = मोस्ट एक्सीलेंट = चूड़ामणि, **seeming** = सीमिंग = प्रतीत हो रहा, **very little** = वेरी लिटल = बहुत थोड़ा।

तीर्थंकर महावीर स्वामी

Teerthankara Mahaaveera-Swaamee

Almost 2611 years ago Teerthankara Vardhamaana born into kundalpura (Bihar). His father Siddhaartha-(सिद्धार्थ) was very lawful and believer king, mother Trishalaa (त्रिशला) had delivered teerthankara child the day of chaitra (चैत्र) sudee (सुदी) terasa (तेरस). On his birthday many celestial beings come from eden. First of all those celestial beings had seated you on the Mammoth and carried on the Paanduka Shilaa (पाण्डुकशिला) on the Sumeru (सुमेरू) mountain.

Meaning = शब्दार्थ

Almost = ऑलमोस्ट = लगभग, **years** = ईयर्स = सालों, **ago** = एगो = पूर्व , **born** = बॉर्न = जन्म हुआ, **lawful** = लॉफुल = नीतिवान , **believer** = बिलीवर = निष्ठावान, **delivered** = डिलीवर्ड = जन्म दिया , **birthday** = बर्थ डे = जन्मदिन, **eden** = ईडेन = स्वर्ग, **first of all** = फर्स्ट ऑफ ऑल = सर्वप्रथम, **those** = दोज = उन, **seated** = सीटेड=बिठाया, **mammoth** = मेम्मॉथ = ऐरावत हाथी, **carried** = केरीड = ले गये ।

There all celestial beings was performed the birth anointment of child Vardhamaana with pomp and show. After this time, Saudharma Indra (सौधर्म इन्द्र) saw the symbol of lion on toe of his right leg and put remark of lion.

At that time all globe sounded by the salvo of Teerthankara child .After that time, All celestial beings came back in the courtyard of palace and celebrated his birth auspicious event, Indra did 'Taandavadance'. (ताण्डव नृत्य) with besides this holy work, arranged by all celestial beings and they all returned in their places.

Meaning = शब्दार्थ

Birth-anoitment = बर्थ एनॉइन्टमेन्ट = जन्माभिषेक, **pomp and show** = पॉम्प एंड शो = धूमधाम, **after this time** = आफ्टर दिस टाइम = तदन्तर, **saw** = सॉ = देखा , **symbol** = सिम्बल = चिन्ह, **lion** = लॉइन = सिंह , **toe** = टो = अंगूठा, **right leg** = राइट लेग = दाहिने पैर, **put remark** = पुट रिमार्क = चिन्ह रखा, **at that time** = एट देट टाइम = उसी समय **globe** = ग्लोब = भूमण्डल, **sounded** = सांउडेड = गूंज गया, **salvo** = साल्वॉ = जय-जयकार, **came back** = केम बेक = आए, **courtyard** = कॉर्टयार्ड = प्रांगण, **palace** = पेलेस = राजमहल, **celebrated** = सेलीब्रेटेड = मनाया, **birth auspicious event** = वर्थ ऑस्पिशस इवेन्ट = जन्मकल्याणक, **with besides** = विद विसाइड्स = साथ ही, **holy work** = होली वर्क = पवित्र कार्य, **arranged** = अरेन्ज्ड = व्यवस्था की गई, **returned** = रिटर्नड = चले गए, **in their** = इन देयर = अपने–अपने, **places** = प्लेसेस = स्थानों ।

Together with the birth of child, the inceased of wealth, splendour, prosperity, pleasures, peace and joy of king Siddhartha. On this account his name was called "Varddhamaana" (वर्द्धमान).

Two saints, name of sanjay and Vijay had some suspicion in subject of metaphysical, only sight view of prince mahaaveera became solution of a doubt, so his given the name 'Sanmati' by the saints. Prince Varddhamaana was mesmerized (controlled) and pacified an intoxicated elephant in the one moment, then the people of vaishaalee addressed his name 'Veera'.

Meaning = शब्दार्थ

Together with = टूगेदर विद = साथ ही, **increased** = इनक्रीज्ड = वृद्धि होने लगी, **wealth** = वेल्थ = धन, **splendour** = स्प्लेंडर = वैभव **prosperity** = प्रॉस्परिटी = ऐश्वर्य, **pleasures** = प्लेजीयर्स = सुख, **peace** = पीस = शान्ति, **joy** = जॉय = आनन्द, **on this account** = ऑन दिस एकाउन्ट = इस कारण से, **suspicion** = ससपिशन = शंका, **subject** = सब्जेक्ट = विषय, **metaphysical** = मेटाफिजीकल = तत्वार्थ, **only sight view** = ओनली साइट व्यू = दर्शनमात्र से ही, **prince** = प्रिन्स = राजकुमार, **solution of a doubt** = सॉल्यूशन ऑफ ए डाउट = शंका का समाधान, **given** = गिवन = दिया गया, **mesmerized (controlled)** = मेस्मेराइज्ड (कंट्रोल्ड) = वश में कर लिया, **pacified** = पेसिफाइड = शांत किया, **intoxicated** = इनटॉक्सीकेटेड = मदोन्मत्त, **moment** = मोमेन्ट = क्षण, **addressed** = एड्रेस्ड = नाम दिया ।

Once upon a day, Sangamdeva (a celestial being) came to test bravery of Varddhamaana. Sangamdeva had assumed form of a terrible adder, putting the foot on his hood, Fearless Varddhamaana got down and turning round him, ruined his pride, then celestial being appeared and bowing them, bestowed his name 'Mahaaveera'.

A celestial being had dispatched to fairys for test of Mahaaveera and shake wanted from devout austerity in all respects, but Mahaaveera dedicated in steady penance alike the sumeru, then celestial beings had put your name 'Ativeera'

Meaning = शब्दार्थ

Celestial being = सेलिस्टियल बीइंग = देव, **test** = टेस्ट = परीक्षा करने, **bravery** = ब्रेवरी = पराक्रम, **assumed** = एस्यूमड = धारण किया, **form** = फॉर्म = रूप, **terrible adder** = टेरिबल एडर = भयंकर विषैला नाग, **putting** = पुटिंग = रखकर, **foot** = फुट = पैर, **hood** = हुड = फण, **fearless** = फिअरलेस = निर्भय, **got down** = गॉट डाउन = उतरे, **turning round** = टर्निंग राउंड = घुमाकर, **ruined** = रूइन्ड = नष्ट किया **pride** = प्राइड = घमंड, **appeared** = एपीयर्ड = प्रकट हुआ, **bestowed** = बिस्टोड = अर्पण किया, **dispatched** = डिसपेच्ड = भेजा, **fairys** = फेअर्स = अप्सराओं, **shake wanted** = शेक वॉन्टेड = डिगाना चाहा, **devout** = डिवोट = धार्मिक, **austerity** = एस्टिरिटी = तप, **in all respects** = इन ऑल रेस्पेक्ट्स = हर प्रकार से, **dedicated** = डेडिकेटेड = तल्लीन रहे, **steady** = स्टेडी = अडिग, **penance** = पेनन्स = साधना, **alike** = एनाइक = के समान।

Your body colour was same as warmth gold and his height of body was seven hands, total age was 72 years old , lived lad celibate, you had avowed the saint initiation (Monkhood) in only 30 years age, Forsaking all possessions ,you began the hard

penance, you was lived in the forest. Only one time came out for the food in the day and you was took the pure food in your hand at the home of lay followers in the jaina-order.

Meaning = शब्दार्थ

warmth = वार्मथ = तपे हुए, **gold** = गोल्ड = सोना, **height** = हाइट = ऊँचाई, **year** = ईयर = वर्ष, **lived** = लिव्ड = रहते हुए, **lad celibate** = लेड सेलीबेट = बाल ब्रह्मचारी, **avowed** = एवॉउड = ग्रहण की, **saint initiation** = सेंट इनीशिएशन = मुनि दीक्षा, **only** = ओनली = केवल, **forsaking** = फोरसेकिंग = छोड़कर, **possessions** = पॅजेसन्स = परिग्रह, **began** = बिगेन = करने लगे, **hard penance** = हार्डपेनन्स = कठोर तपस्या, **forest** = फॉरेस्ट = जंगल, **came out** = केम आउट = निकलते, **lay followers** = ले फॉलोअर्स = श्रावक।

After many days, practice of penance, one day you gained perfect knowledge. All substances together began evident appeared to you, at that time kubera created a jewelful religious assembly (samavasharana समवशरण) **by the order of indra, according to sequence, all saints, Aaryikaa (female ascetics), Humen (male and female householders) and sub-humen were sat in that place , After 66 days of get the perfect knowledge, the resonant preaching of 'Bhagawaana Varddhamaana' was revealed. viz. the preaching was became. the Gautama Swaamee** (गौतम स्वामी) **became chief Interpreter (Ganadhara** गणधर) **of Mahaaveera Swaamee, thus Bhagawaana Varddhamaana was preached country to country in omniscient state.**

Meaning = शब्दार्थ

practice = प्रेक्टिस = अभ्यास, **penance** = पेनन्स = तपस्या, **gained** = गेन्ड = प्राप्त हुआ, **substances** = सब्सटेन्सेस = पदार्थ, **together** = टूगेदर = एक साथ, **began** = बिगेन =उत्पन्न हुए, **evident** = एवीडेंट = प्रत्यक्ष, **appeared** = एपीयर्ड =दिखने लगे, **created** = क्रिएटेड = रचना की, **jewelful** = जुऍलफुल = मणिमयी, **religious assembly** = रिलिजियस एसेम्बलि = समवशरण, **order** = ऑर्डर = आज्ञा, **according to sequence** = एकॉर्डिंग टू सीक्वेंस =क्रमानुसार, **humen** = ह्यूमेन = मनुष्य , **householder** = हाउसहोल्डर = श्रावक ,**sub-humen** = सब ह्यूमेन = तिर्यंच, **were sat** = वर सेट =बैठे थे, **got** = गॉट = प्राप्त हुआ, **resonant preaching** = रिसॉनेन्ट प्रीचिंग = दिव्य ध्वनि, **revealed** = रिवील्ड =खिरी, **preaching** = प्रीचिंग =उपदेश, **chief** =चीफ= प्रमुख , **interpreter** = इंटरप्रेटर = गणधर, **country** = कंट्री = देश , **thus** = दस = इस प्रकार।

After some time, you absorbed in the meditation on a block medial of a pond of paavaapura (पावापुर), **destroying to all karmas by hard severity of meditation of two days, you had achieved emancipation in early morning of kaartika** (कार्तिक) **vadee** (वदी) **Amaavasyaa** (अमावस्या), **viz you are obtained the state of liberated soul, on that day at the evening Gautama Ganadhara** (गौतम गणधर) **gained the perfect knowledge, the lamps lighted at home to home in this pleasure. this day reputed through name of Deepaawalee.**

Meaning = शब्दार्थ

Absorbed = एब्जॉबर्ड = मग्न हो गये, **meditation** = मेडिटेशन = ध्यान , **block** = ब्लॉक = शिला, **medial** = मीडिअल = मध्य में स्थित , **pond** = पोन्ड = सरोवर,**severity** = सिवीअरिटी = साधना , **achieved** = एचीव्ड = प्राप्त कर लिया, **early morning** = अर्ली मोर्निंग = प्रातःकालीन बेला ,**evening** = इवनिंग = शाम, **pleasure** = प्लेजियर =खुशी, **reputed** = रेप्यूटेड = प्रसिद्ध हुआ, **through** = थ्रू = के जरिये।

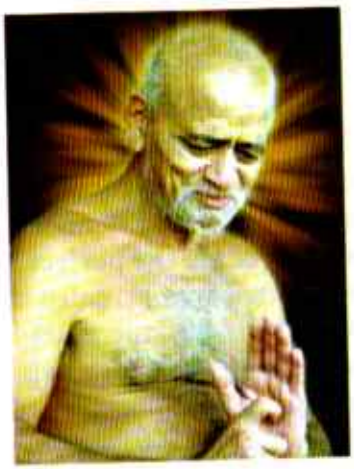

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

Aachaarya Shree Vidyaasaagarjee Mahaaraaja

You were born in the Sadalagaa (सदलगा) **village of Belagaanva** (बेलगाँव) **district of karnaataka** (कर्नाटक) **state at the Aashvina Shuklaa15** (आश्विन शुक्ला पंद्रह) (**Sharada Poornimaa** शरद पूर्णिमा) **samvat** (संवत्) 2003, **according to that 10 October 1946, At the night 11.30 P.M) district of karnaataka** (कर्नाटक) **state at the Aashvina Shuklaa15** (आश्विन शुक्ला पंद्रह) (**Sharada Poornimaa** शरद पूर्णिमा) **samvat** (संवत्) 2003, **according to that 10 October 1946, At the night 11.30 P.M**

Your birth's name was Vidyaadhara (विद्याधर) **and with love the persons called to you by name of peeloo** (पीलू) **Manee** (मनी) **Ganee** (गनी), **your family was prosperous with wealth and food grain. Your father was very energetic and honest farmer. You had obtained the religious rites by your parents. Your father was shree Malappaajee Jain** (श्री मलप्पाजी जैन) **(ashtage gotra)** (अष्टगे गोत्र). **(deceased- 108 muni shree mallisaagarajee mahaaraahja** (समाधिस्थ–108 मुनि श्री मल्लिसागर जी महाराज) **and mother Shree shreematiji (deceasedAaryika shree samayamatijee** समाधिस्थ आर्यिका श्री समयमति जी) **and your elder brother shree mahaaveera prasaadajee** (श्री महावीर प्रसादजी) **is situated in a householder state, your brother shree Anantanaathajee** (श्री अनन्तनाथ जी), **Shree Shantinaathajee** (श्री शांतिनाथ जी) **Sister Kumari Shantaa** (कुमारी शान्ता) **and Kumari Suvarnaa** (कुमारी सुवर्णा) **are leading on the path of abstinence, in due order, their name are Munishree Yogasagarjee** (मुनि श्री योगसागर जी), **Munishree Samayasagarjee** (श्री समयसागर जी), **Brahma-chaarinee Pravachanamatijee** (ब्रह्मचारिणी प्रवचनमति जी) **and Niyamamatijee** (नियममतिजी). **You attained the school education of primary and higher into his mother-language Kannada** (कन्नड़), **remaining in the feet of his religious preceptor Aachaarya Shree Gyaana Saagarajee Maharaja** (आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज). **You had achieved the education of jain philosophy, equity, grammar, literature and spiritual contemplation. You are good knower of Sanskrita** (संस्कृत), **Hindi** (हिंदी), **English** (इंग्लिश), **Maraathee** (मराठी), **Kannada** (कन्नड़), **Praakrita** (प्राकृत), **Apabhransha** (अपभ्रंश) **etc. Thirteen languages.**

Meaning = शब्दार्थ

Born = बोर्न = जन्म हुआ, **village** = विलेज = ग्राम, **district** = डिस्ट्रिक्ट = जिला, **state** = स्टेट = प्रांत, **according to that** = एकॉर्डिंग टू देट = तदनुसार, **thursday** = थर्सडे = गुरुवार, **prosperous** = प्रॉस्परस = संपन्न, **wealth** = वेल्थ = धन, **food grain** = फूड ग्रेन = धान्य, **energetic** = एनर्जीटिक = कर्मठ, **honest** = ऑनेस्ट = ईमानदार, **farmer** = फार्मर = कृषक, **obtained** = ऑब्टेंड = प्राप्त किए, **religious** = रिलिजिअस = धार्मिक, **rites** = राइट्स = संस्कार, **deceased** = डिसीस्ड = समाधिस्थ, **elder** = एल्डर = बडे, **house holder** = हाउसहोल्डर = गृहस्थ, **leading** =लीडिंग=अग्रसर, **abstinence** = एब्सटिनेन्स = संयम, **parents** = पेरेंट्स = माता–पिता, **in due order** = इन ड्यू ऑर्डर = क्रमश:, **attained** = अटेंड = ग्रहण की, **primary** = प्राइमरी = प्राथमिक, **higher** = हायर = उच्च, **mother-language** = मदर लेंग्वेज = मातृभाषा, **remaining** = रिमेनिंग = रहकर , **achieved** = एचीव्ड = अर्जित की, **philosophy** = फिलॉसॉफी = दर्शन, **equity** = एक्यूटि = न्याय, **grammar** = ग्रामर = व्याकरण, **literature** = लिटरेचर = साहित्य।

The desire of selfknowledge achieved in your mind since child-hood obtaining the sight of Aachaarya Shree Shaantisaagarajee Mahaaraaja (आचार्य श्री ांतिसागर जी महाराज). **this feeling become a littie more powerful in child-hood. As a result, repleting with asceticism, you had renounced to home in the younger age of twenty years. In 1967 , taking the celibacy-vow from Aachaarya Shree Deshabhooshanajee Mahaaraajajee** (श्री देशभूषण महाराज जी) **you proceeded on path of conduct. You had retented the initiation of nude-monk by Aachaarya Shree Gyaanasaagarajee Mahaaraaja** (आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज) **in the Soneejee kee Nasiyaa** (सोनी जी की नसिया) **of Ajamera** (अजमेर) **city of Raajasthaana** (राजस्थान) **state at the Aashaadha sudee Panchamee** (आषाढ़ सुदी पंचमी), **Vikrama Samvat** (विक्रम संवत) **2025, according to that 30 june 1968 and reputed by name of Muni Shree Vidyaasaagarjee** (मुनि श्री विद्यासागर जी), **the Aachaarya Shree Gyaanasaagarajee Mahaaraaja** (आचाय श्री ज्ञानसागर जी महाराज)**had adorned with "rank of Aachaarya" to you in the Naseeraabaada** (नसीराबाद) **at the day of Magasira Krishana dviteeyaa** (मगसिर कृष्णा द्वितीया), **vikrama samvat** (विक्रम संवत) **2023, according to that 22 november 1972. You had achieved to soul-knowledge of indicator of supreme omniscient by mercy of educator, self loyalty and continual penance. You are leader of your very large group in the present time almost eighty three nude monks (muniraaja** मुनिराज**). One hundred seventy female ascetics (aaryikaa** आर्यिका**). Seven ealaka** (ऐलक)**. ten kshullka** (क्षुल्लक) **, are initiated by you and nearly three hundred celebate brothers and sister are present at this place.**

Meaning = शब्दार्थ

Desire = डिजायर = आकांक्षा, **child-hood** = चाइल्ड-हुड = बचपन, **obtaining** = ऑब्टेनिंग = प्राप्त कर, **sight** = साइट = दर्शन, **feeling** = फीलिंग = भावना,**a little more powerful** = द लिटिल मोर पॉवरफुल = और प्रबल, **as a result** = एज ए रिजल्ट = फलस्वरूप, **repleting** = रिप्लेटिंग= ओतप्रोत होकर, **ascerticism** = एसेटिसिज्म = वैराग्य, **renounced** = रिनाउन्सड = त्याग दिया, **younger age** = यंगर एज = युवा अवस्था, **celibacy-vow** = सेलिबेसी-वाउ= ब्रह्मचर्य-व्रत, **proceeded** = प्रॉसीडेड = अग्रसर

हुए, **retented** = रिटेन्टेड = धारण किया, **nude-monk** = नड-मंक = मुनि, **reputed** = रेप्यूटेड = प्रसिद्ध हुए, **adorned** = एडोर्नड = अलंकृत किया, **soul-knowledge** = सॉल-नॉलेज = आत्म विद्या, **indicator** = इंडीकेटर = संकेत करने वाली, **supreme omniscient** = सुप्रीम ऑम्निसिंएंट = परम ब्रह्म परमात्मा, **mercy** = मर्सी = कृपा, **educator** = एडूकेटर = गुरु, **self-loyalty** = सेल्फ लॉयल्टी = आत्मनिष्ठा, **continual** = कंटीनियुअल = सतत्, **penance** = पेनन्स = साधना, **leader** = लीडर = नायक, **very large** = वेरी लर्ज = विशाल, **almost** = ऑलमोस्ट = लगभग, **eighty three** = एटी थ्री = तेरासी, **hundred** = हंड्रेड = सौ, **seventy** = सेवंटी = सत्तर, **female ascetices** = फीमेल एस्सेटिक्स = आर्यिका, **nearly** = नियरली = लगभग, **celebate** = सेलीबेट = ब्रह्मचारी।

आपकी मुख्य रचनाएँ निम्नांकित हैं–Your main creations are undermentioned-

Sanskrita Shatakam (संस्कृत शतकम्) **Shaaradaa- stuti** (शारदा स्तुति). **Shramana-Shatakam** (श्रमण-शतकम्) **Niranjana-Shatakam** (निरंजनशतकम्), **Bhaavanaa Shatakam** (भावनाशतकम्) **Pareeshahajaya- Shatakam** (परीषहजय.-शतकम्) **Suneeti-Shatakam** (सुनीति-शतकम्).

Hindi (हिन्दी) **(poetry** काव्य) **Mookamaatee** (मूकमाटी), **epic (Mahaakaavya** महाकाव्य), **Narmadaa kaa narama kankara** (नर्मदा का नरम कंकर), **Doobo Mata Lagaao Dubakee** (डूबो मत लगाओ डुबकी) **Totaa kyon Rotaa** (तोता क्यों रोता), **Chetanaa Ke Gaharaava Men** (चेतना के गहराव में), **Chetana Chandrodaya Champoo Kaavya** (चेतन चन्द्रोदय चम्पू काव्य), **Stuti-Saroja** (स्तुति सरोज), **Achaarya Shree Shaantisagara Stuti** (आचार्य श्री शांतिसागर स्तुति) , **Achaarya Shree Veerasaagara Stuti** (आचार्य श्री वीरसागर स्तुति), **Aacharya Shree Shivasaagara Stuti** (आचार्य श्री शिवसागर स्तुति), **Aachaarya shree Gyaansagar stuti** (आचार्य श्री ज्ञानसागर स्तुति), **Adhyaatma Bhakti Geeta** (अध्यात्म भक्ति गीत) ।

Hindi Shataka (हिन्दी स्तुति) **Nijaanubhava shataka** (निजानुभव शतक), **Muktaka shataka** (मुक्तक शतक), **Shramana Shataka** (श्रमण शतक), **Niranjana Shataka** (निरंजन शतक), **Bhaavanaa Shataka** (भावना शतक) **Pareeshahajaya Shataka** (परीषहजय शतक), **Suneeti Shataka** (सुनीति शतक), **Dohaa-dohana Shataka** (दोहा दोहन शतक), **Sooryodaya-Shataka** (सूर्योदय-शतक), **Poornodaya-Shataka** (पूर्णोदय शतक), **Sarvodaya Shataka** (सर्वोदय शतक), **jina-Stuti Shataka** (जिन-स्तुति शतक), **jamboosvaamee-Shataka** (जम्बूस्वामी शतक), **Vijjanuvekkhaa** (विज्जाणुवेक्खा), **praakrita** (प्राकृत),**kannada** (कन्नड़), **Bangaalee** (बंगाली), **English poem and published many books of preaching.**

Volme of tanslated in verse (पद्यानुवादित ग्रंथ) **Kundakuda Kaa Kundana Samayasaara** (कुंद कुंद का कुंदन समयसार), **Nijjaamritapaana Samayasaara Kalasha** (निजामृतपान समयसार कलश), **Ashta Paahuda** (अष्ट पाहुड़), **Niyamasaara** (नियमसार), **Vaarasa Anuvekkhaa** (वारस अनुवेक्खा), **panchaastikaaya** (पंचास्तिकाय), **Ishtopaddesha** (इष्टोपदेश), **Pravachanasaara** (प्रवचनसार), **Samaadi-shataka** (समाधि शतक), **Nava Bhaktiyaan Poojyapaada Aachaaryakrita** (नवभक्तियाँ पूज्यपाद आचार्यकृत), **Svayambhoo-Stotra** (स्वयंभू स्तोत्र), **Ratnakarandaka Shraavakaachaara** (रत्नकरण्डक श्रावकाचार).

दीपावली पर्व

The Festival of Deepaawalee

In the all India, The preson of every of sect celebrate the festival of Deepaawalee (दीपावली) by respective method and Zeal, but there is a holy reason to celebrate the festival of Deepaawalee (दीपावली) in our Jain religion that the last Teerthankara (तीर्थंकर) Varddhamaana Swaamee (वर्द्धमान स्वामी) have obtained the salvation at the time of night-morning of Amaavasyaa (अमावस्या) and in a three hour period of kaartika (कार्तिक) krishnaa (कृष्णा) Chaturdashee (चतुदर्शी) viz day of Deepaawalee (दीपावली), In that place the Gautama (गौतम) Ganadhara (गणधर) interpreter was obtained the perfect knowledge at the time of evening . For this reason the festival of Deepaawalee (दीपावली) is celebrated in the form of great celebration of Veera Nirvaana (वीर निर्वाण). After salvation celebration of Bhagavaana Mahaaveera (भगवान महावीर), the sky of Paavaapuree (पावापुरी) was glistened on all sides from row of brilliant the burning lamps by deities and demons. Since then until today, the persons of all sects began to celebrate the festival of Deepaawalee (दीपावली) with zeal. Making the picture of religious auditorium of Teerthankaras (Samavasharana समवशरण) at the day of Deepaawalee (दीपावली) , worshipped the goddess of wealth of form of perfect knowledge and Gautama Ganadhara (गौतम गणधर), but afterwards, omitting to that immovable goddess of wealth, the persons have been worshipping the worthless goddess of wealth of money.The festival of Deepaawalee (दीपावली) is symbol of cleanliness and purity. Some scholars are confessed that the earth remains the moist , after passing of rainy-season ,the ways and houses are deformed, so before this festival of Deepaawalee (दीपावली), the houses, shops and factories are cleaned and well managed ,It is said that the goddess of wealth resides in neat and cleanliness, fineliness place.

Meaning = शब्दार्थ

Sect = सेक्ट = सम्प्रदाय, **celebrate** = सेलीब्रेट = मनाते हैं, **festival** = फेस्टिवल = पर्व, **respective** = रेस्पेक्टिव = अपने–अपने, **method** =मेथड = मत, **zeal** = जेल = उत्साह, **there** = देयर = वहीं, **holy** = होली = पवित्र **reason** = रीजन = कारण, **a three hours period** = ए थ्री ऑवर्स पीरियड = प्रहर, **for this reason** = फॉर दिस रीजन = इस कारण से, **great celebration** = ग्रेट सेलीब्रेशन = महोत्सव, **glistened** = ग्लिसन्ड = जगमगा गया, **row** = रो = पंक्ति, **brilliant** = ब्रिलिएंट = देदीप्तमान, **burning** = बिर्निंग = जलायी, **lamps** = लेम्प्स = दीपकों, **deities** = डाइटीज = सुर, **demons** =

डीमन्स = असुर, **since then** = सिन्स देन = तब से, **until today** = अनटिल टूडे = आज तक, **making** =मेकिंग= बनाकर, **picture** = पिक्चर = चित्र, **religious auditorium of teerthankara** = रिलिजियस ऑडिटोरियम ऑफ तीर्थंकरा = समवशरण, **worshipped** = वर्शिप्ड = पूजते थे, **goddess of wealth** = गॉडेस ऑफ वेल्थ = लक्ष्मी, **afterwards** = आफ्टरवर्ड्स = बाद में, **omitting** = ऑमिटिंग = छोड़कर, **immovable** = इम्मूवेबल = अचल, **worshipping** = वर्शिपिंग = पूजने लगे, **worthless** = वर्थलेस = तुच्छ, **money** = मनी = धन, **symbol** = सिम्बल = प्रतीक, **cleanliness** = क्लीनलिनेस = सफाई, **purity** = प्योरिटी = स्वच्छता, **scholars** = स्कॉलर्स = विद्वान, **confessed** = कॉनफेस्ड = मानते हैं, **passing** = पासिंग = बीतने, **rainy season** = रेनी सीजन = वर्षा ऋतु, **earth** = अर्थ = पृथ्वी, **remain** = रिमेन = रहती है, **moist** = मोइस्ट = नम (आर्द्र), **deformed** = डिफॉर्मड = विकृत हो जाते, **shops** = शॉप्स = दुकानें, **factories** = फैक्ट्रीज = कारखाने **well managed** = वेल मेनेज्ड = सुव्यवस्थित कर लेते, **it is said** = इट इज सेड = यह कहा जाता है, **resides** = रिजाइड्स = वास होता हैं, **neat** = नीट = साफ, **fineliness** = फाइनलिनेस = सुंदरता |

The viewpoint of scientific too expounds that the mosquito, fly, sickness causing insects etc. of house are destroyed by light of mustard oil and white-wash, bad smell is also removed , therefore the festival of deepaawalee (दीपावली) is prevailed in form of curative festival, According to spiritual view, forsaking the defect of attachment, hatred, delusion and jealousy from their heart and we should try to enrich the wealth of knowledge at the day of deepaawalee (दीपावली), because the increase and decrease of goddess of wealth is common to all but always the goddess of knowledge is stable , which gives glory and respect to us, every year, the lac and crore rupees are expended in the India, in the playing the gambling, in the displaying to fire-works, in the drinking of wine, in the going to the club, the persons of other sects are celebrated to festival of deepaawalee (दीपावली) by reproachable deeds of this type. We want that we performed the deepaavalee (दीपावली) with very honest and zeal.

At the day of deepaavalee (दीपावली), quickly bathing, doning pure garments, going to temple of Jinendradeva ,doing the anointment and worship-ping of Mahaaveera Bhagavaana (महावीर भगवान), the round sweetmeat should be offered, the round sweetmeat of liberation is token of place of salvated souls, which is shape of parasol. There bhagavaana (भगवान) is seated in the state of liberated soul such narration is of chief preceptors. we should not do deeds of injurious and hateful, Like-fire-works, to gamble etc. at the day of deepaawalee (दीपावली), then we will succeed in celebrate the festival of deepaavalee (दीपावली). For that very reason, we will call follower and desendant of mahaaveera svaamee (महावीर भगवान).

Meaning = शब्दार्थ

View point = व्यू प्वाइंट = दृष्टिकोण, **scientific** = साइंटिफिक = वैज्ञानिक, **too** = टू = भी, **expounds** = एक्सपॉन्ड्स = प्रतिपादित करता हैं, **mosquito** = मॉसकीटो = मच्छर, **fly** = फ्लाई = मक्खी, **sickness** = सिकनेस = रोग **insects** = इन्सेक्ट्स = कीड़े–मकोड़े, **mustard oil** = मस्टर्ड ऑयल = सरसों का तेल, **white wash** = व्हाइट वॉश = चूना की पुताई करने, **bad smell** = बेड स्मेल = दुर्गन्ध,

removed = रिमूव्ड = दूर होती है, **prevailed** = प्रिवेल्ड = प्रचलित है, **form** = फॉर्म = रुप, **curative** = क्यूरेटिव = रोगनाशक, **according to** = एकॉर्डिंग टू = के अनुसार, **spiritual view** = स्पिरिचुअल व्यू = आध्यात्मिक दृष्टि, **forsaking** = फोरसेकिंग = त्यागकर **defect** = डिफेक्ट = विकार, **hatred** = हेट्रेड = द्वेष, **delusion** = डेल्यूजन = मोह, **jealousy** = जेलसी = ईर्ष्या, **heart** = हार्ट = हृदय, **should try** = शुड ट्राई = कोशिश करना चाहिए, **enrich** = एनरिच = समृद्ध होने, **increase** = इनक्रीज = वृद्धि, **decrease** = डिक्रीज = हानि, **common** = कॉमन = सामान्य, **goddess of knowledge** = गॉडेस ऑफ नॉलेज = ज्ञान लक्ष्मी, **stable** = स्टेबल = स्थिर, **glory** = ग्लोरी = ऐश्वर्य **respect** = रेस्पेक्ट = सम्मान, **every** = एवरी = प्रत्येक, **lac** = लाक = लाख, **crore** = करोर= करोड़ **expended** = एक्सपेन्डेड = खर्च होते हैं, **playing**= प्लेयिंग = खेलने, **gambling** = गेम्बलिंग = जुआ, **displaying**= डिस्प्लेयिंग = प्रदर्शित करके, **fireworks** = फायरवर्क्स = आतिशबाजी, **reproachable** = रिप्रोचेबल = निंदनीय, **deeds** = डीड्स = कार्यों **of this type** = ऑफ दिस टाइप = इस प्रकार के, **performed** = परफॉर्मड = मनाएँ, **honest** = ऑनेस्ट = सात्विक, **quickly** = क्विक्‌लि = जल्दी से, **bathing** = बाथिंग = स्नानकर, **doning** = डोनिंग = पहनकर, **pure** = प्योर = शुद्ध, **garments** = गारमेंट्स = वस्त्र, **anointment** = एनॉइन्टमेन्ट = अभिषेक, **worshipping** = वर्शिपिंग = पूजन करके, **round sweetmeat** = राउंड स्वीटमीट = लाडू, **should be offered** = शुड बी ऑफर्ड = चढ़ाना चाहिए, **token** = टोकन = प्रतीक, **place of salvated souls** = प्लेस ऑफ सॉल्वेटेड सॉल्स = सिद्धशिला, **shape of parasol** = शेप ऑफ पारसॉल = छत्राकार, **seated** = सीटेड = अवस्थित, **state of salvated souls** = स्टेट ऑफ सॉल्वेटेड सॉल्स = सिद्धावस्था, **such** = सच = ऐसा, **narration** = नरेशन = कथन, **chief preceptors** = चीफ प्रीसेप्टर्स = आचार्यों, **should not do** = शुड नॉट डू = नही करना चाहिए, **injurious** = इन्ज्योरियस = हिंसाकारक, **hateful** = हेटफुल = घृणित, **will succeed** = विल सक्सीड = सार्थक होगा, **for that very reason** = फॉर दैट वेरी रीजन = तभी तो, **will call** = विल कॉल = कहलाएँगे, **follower** = फॉलोअर = अनुयायी, **descendant** = डिसेन्डेन्ट = वंशज।

कुण्डलपुर सिद्ध क्षेत्र

kundalapura Siddhakshetra

This region is situated afar forty K.M. from Damoha (दमोह) station at the Katanee (कटनी) to Beenaa (बीना) line of central railway (सेंट्रल रेलवे), in the Damoh (दमोह) district. Here is very fine idol of Aadinaatha Bhagawaana (आदिनाथ भगवान), Here is sixty three holy temples. The last omniscient Shreedhara (श्रीधर) has attained the salvation at this region.

Meaning = शब्दार्थ

Region = रीजन = क्षेत्र, **situated** = सिट्युएँटेड = स्थित, **afar** = एफॉर = दूरी पर, **forty** = फोर्टी = चालीस, **fine** = फाइन = सुंदर, **idol** = आइडल = प्रतिमा, **sixty three** = सिक्सटी थ्री = त्रेसठ, **holy** = होली = पवित्र, **omniscient** = ऑम्निसिएंट = केवली, **attained** = अटेन्ड = प्राप्त किया, **salvation** = सॉल्वेशन = मोक्ष।

कविता Poem

सप्ताह के सात दिन
Seven days of week

Good Sunday come, good Sunday come,
We will rejoice, we will glee nice .
Good Monday come, good Monday come .
We will adore, we will admire.
Good Tuesday come, good Tuesday come.
We will retire feet of leader, we will gain well the saviour.
Good Wednesday come, good wednesday come.
We will go holy region, we will get good the vision.
Good Thursday come, good Thursday come.
We will read real tome, we will move bad life home.
Good Friday come, good Friday come.
We will sing holy song , we will leave all the wrong.
Good Saturday come, good Saturday come.
We will feel deep the think, we will gain good the rank.

Meaning = शब्दार्थ

Sunday = सनडे = रविवार , **will rejoice** = विल रिजॉइस = आनंद मनाएंगे, **will glee nice** = विल ग्ली नाइस = बहुत हर्षित होंगे , **monday** = मनडे = सोमवार , **will adore** = विल एडोर = पूजा करेगें , **will admire** = विल एडमायर = स्तुति करेंगे , **tuesday** = ट्यूजडे = मंगलवार, **will retire** = विल रिटायर = शरण लेंगे , **feet** = फीट = चरणों , **leader** = लीडर = मार्गदर्शक , **will gain** = विल गेन = प्राप्त करेंगे, **well** = वेल = श्रेष्ठ , **saviour** = सेवयर = उद्धारक, **wednesday** = वेडनेसडे = बुधवार, **holy region** = होली रीजन = तीर्थ क्षेत्र, **good** = गुड =अच्छा, **vision** = विजन = दर्शन, **thursday** = थर्सडे = गुरूवार , **bad** = बेड = बुरे , **home** = होम = निवास, **friday** = फ्राइडे = शुक्रवार , **will sing** = विल सिंग = गाएँगे, **holy song** = होली सॉङग = भजन, **will leave** = विल लीव=छोड़ेंगे, **wrong** = रॉङग = अयोग्य, **saturday** = सटरडे = शनिवार, **willfeel** = विलफील = अनुभव करेंगे, **deep the think** = डीप द थिंक = ध्यान, **rank** = रैंक = पद ।

LIVE-VIEW

Name	:	**ARYIKA VINATMATI MATA JI**
Previous Name	:	Br. Usha Ji
Father's Name	:	Lt. Shri Jainendra Kumar Ji Jain
Mother's Name	:	Lt. Smt. Kamlabai Jain
Birth Place	:	Shivpuri (M.P.)
Date of Birth	:	19-7-1963
Education	:	M.A. (English)
Brahmacharya Vrit	:	1987 (Thoobounjai)
Aryika Deeksha	:	25-1-1993 (Jabalpur M.P.)
Deeksha-Guru	:	P.P. Acharya Shri Vidyasagarji Maharaj
Sanghasth	:	P. Aryika Shree Prasanthmati Mataji

Literatures English Transaltions -

Shri Shantinath Stuti, Jinsahasranaamastrotu,

See and Know 1,2,3 Parts, Read and Rise -

1,2,3,4 Parts, Ten Devotions,

Learn and Laugh (General Knowledge Book)

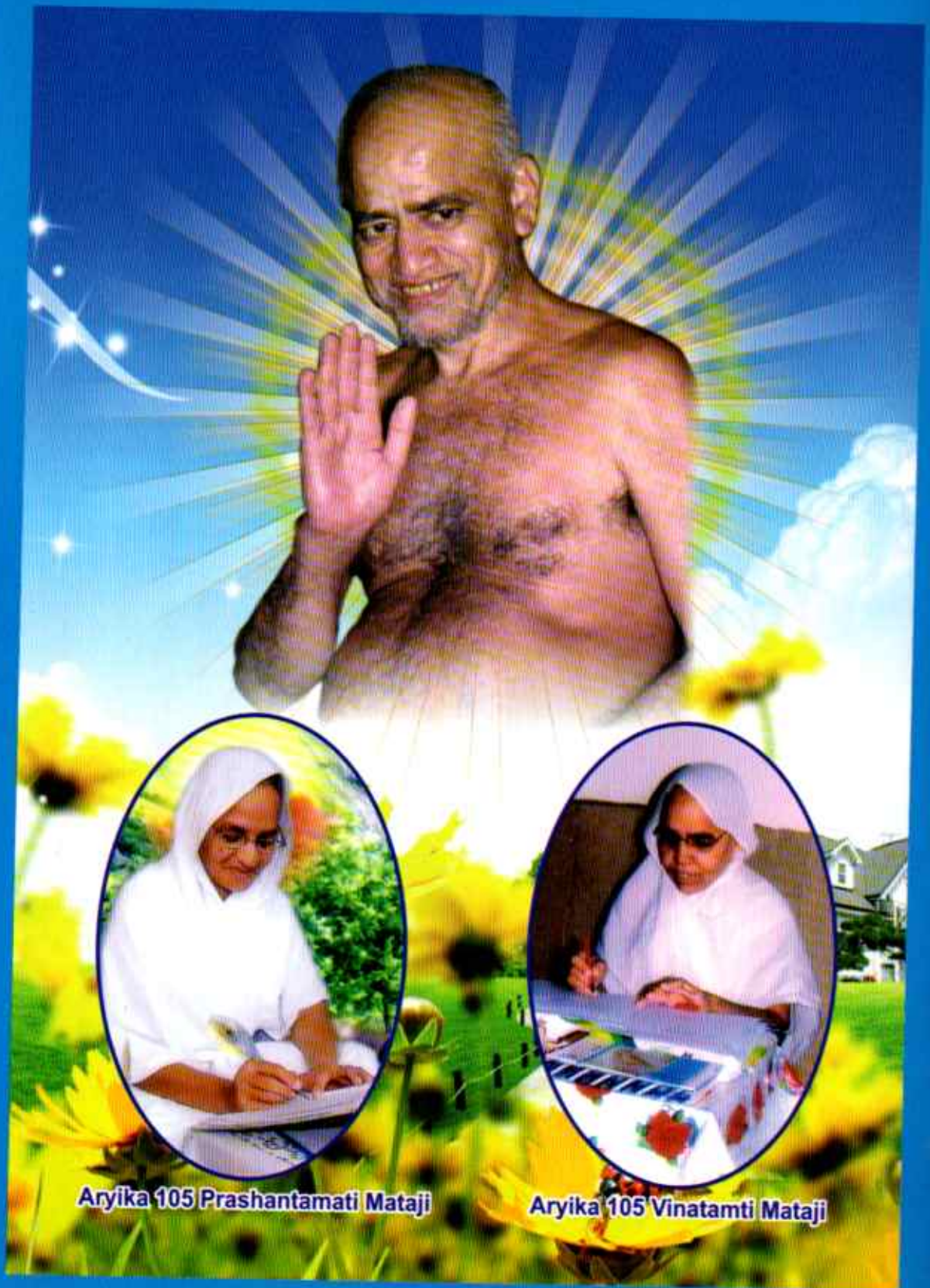

JAIN OFFSET, Gwalior Ph. (0751) 2400160-61